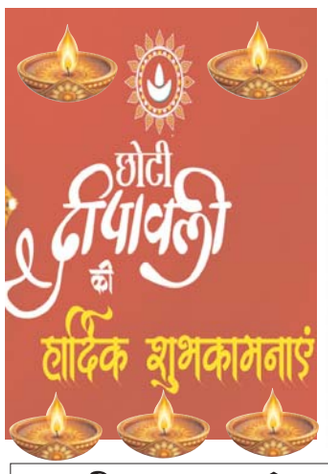


दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-243 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 07 नवम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-वाहनों-निर्माण पर प्रतिबंध प्रदूषण रोकने के पुराने और विफल तरीके

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दीपावली और सर्दियों की शुरुआत के साथ ही दिल्ली में वायु प्रदूषण का संकट एक बार फिर गंभीर हो गया है। इस बीच सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए वाहनों और निर्माण गतिविधियों पर लगाए जाने वाले प्रतिबंधों को पुराना और विफल तरीका बताया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि केवल वाहनों की आवाजाही और निर्माण कार्यों पर रोक लगाने से प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। इसके लिए व्यापक रणनीति और सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव की आवश्यकता है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि वाहनों पर प्रतिबंध, निर्माण कार्यों पर रोक और इस तरह के अन्य तात्कालिक उपाय अब पुराने और विफल साबित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जितने अधिक आदेश जारी किए जाएंगे, नियमों के उल्लंघन के मामले भी उतने ही बढ़ेंगे। इसलिए प्रदूषण



से निपटने के लिए केवल प्रतिबंधों पर निर्भर रहने के बजाय इसके मूल कारणों को दूर करना होगा।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण के संदर्भ में दीपावली पर उपहारों के आदान-प्रदान की परंपरा पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि संपन्न वर्ग ने दीपावली पर उपहारों के आदान-प्रदान को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना लिया है। त्योहार मनाने के दौरान पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी होना चाहिए। उन्होंने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सांस्कृतिक बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया।मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण की समस्या केवल यहां की सड़कों पर चलने वाले वाहनों की संख्या तक सीमित नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों से भी बड़ी संख्या में वाहन दिल्ली पहुंचते हैं, जिनकी निगरानी करना चुनौतीपूर्ण है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। पीठ ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि उम्मीद है कि सभी लोग दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे।

इस दौरान न्यायालय की सहायता कर रहीं वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र अपराजिता सिंह ने बताया कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी के आसपास बना हुआ है।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आर्टिस्ट्स-इन-रेसिडेंस कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक और लोक कलाकारों से बातचीत की और उनकी कलाकृतियों को देखा।

अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा और बॉम्बे हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई में बम धमाकों की धमकी से हड़कंप, बॉम्बे हाई कोर्ट, रेसकोर्स और अमिताभ बच्चन के बंगले को निशाना बनाने की चेतावनी



मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब बॉम्बे हाई कोर्ट, महालक्ष्मी रेसकोर्स और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला। धमकी की सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। तीनों स्थानों पर तत्काल तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस अब धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, धमकी मिलने के बाद संबंधित स्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई ।

सीबीएसई ने 10वीं-12वीं की डेटशीट जारी की, 16 फरवरी से शुरू होंगी बोर्ड परीक्षाएं

सीबीएसई ने 10वीं-12वीं की डेटशीट जारी की, 16 फरवरी से शुरू होंगी बोर्ड परीक्षाएं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2027 की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बोर्ड की ओर से जारी परीक्षा समय-सारिणी के अनुसार, दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी और 9 अप्रैल 2027 तक चलेंगी। सभी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से आयोजित की जाएंगी। इस बार कक्षा 10वीं के विद्यार्थी 83 विषयों और कक्षा 12वीं के विद्यार्थी 121



विषयों की परीक्षा देंगे। सीबीएसई के अनुसार, परीक्षा कार्यक्रम तैयार करते समय विद्यार्थियों की सुविधा और विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं का विशेष ध्यान रखा गया है। इसमें विद्यार्थियों द्वारा सामान्यत: एक साथ चुने जाने वाले विषयों की परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतराल रखने, प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं की तिथियों और प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर शामिल होने वाले विद्यार्थियों की संख्या जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा गया है। बोर्ड का प्रयास है कि परीक्षा कार्यक्रम इस तरह तैयार किया जाए, जिससे विद्यार्थियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके और किसी अन्य महत्वपूर्ण परीक्षा से तिथियों का टकराव न हो।

राहुल गांधी ने चेताया, जो भाजपा को वोट नहीं देगा उसे योजना का लाभ नहीं मिलेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पंचायती राज मंत्री ललन सिंह के एक बयान को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आशंका जताई है कि सरकार भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए आधार कार्ड के बजाय मतदाता पहचान पत्र को अनिवार्य कर सकती है। राहुल गांधी ने इसे लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकारों के लिए गंभीर खतरा बताते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से करोड़ों लोगों के नाम काटे जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस प्रक्रिया को नहीं रोका गया तो इसका इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को मताधिकार से वंचित करने के लिए किया जा सकता है।



राहुल गांधी ने शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के मंत्री ने ऐलान किया है कि अब सरकारी योजनाओं का लाभ आधार कार्ड के बजाय मतदाता पहचान पत्र के आधार पर तय होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक गहरी साजिश का हिस्सा हो सकता है। उनके अनुसार, एसआईआर के नाम पर मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और इनमें भाजपा के खिलाफ नाराजगी रखने वाले लोगों के नाम अधिक हो सकते हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची एक निष्पक्ष चुनाव आयोग के नियंत्रण में होनी चाहिए, लेकिन वर्तमान में इसकी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के कर्मचारी ज्ञानेश कुमार के हाथों में है।उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी मतदाता सूची तैयार करने की कोशिश की जा रही है, जिसमें भाजपा को हमेशा बहुमत मिलने की स्थिति बनी रहे। राहुल के अनुसार, यदि यही सूची सरकारी योजनाओं का लाभ देने का आधार बन गई तो जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे, वे न केवल मतदान के अधिकार से वंचित होंगे, बल्कि सरकारी योजनाओं के लाभ से भी दूर हो सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम के साथ बढ़ा प्रदूषण का संकट, राजधानी के 24 इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। सुबह और शाम के समय हल्की ठंड महसूस होने लगी है, जबकि दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। मौसम में इस बदलाव के बीच वायु प्रदूषण ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार दर्ज किया गया है। वहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में भी प्रदूषण का असर साफ दिखाई दे रहा है।मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार 6 नवंबर को दिल्ली में आसमान साफ रहने और दिनभर तेज धूप निकलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम



तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर-पश्चिम दिशा से पांच से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। दिन के समय आर्द्रता का स्तर घटकर 30 से 40 प्रतिशत के आसपास रहने की संभावना है। हालांकि, सुबह हल्का कोहरा और धुंध छाए रहने से दृश्यता प्रभावित हो सकती है। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री कम था। न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक था। इस दौरान आर्द्रता का स्तर 64 से 100 प्रतिशत के बीच दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार सुबह सात बजे दिल्ली के कई निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार दर्ज किया गया। गुरुवार को दिल्ली में पिछले नौ महीनों के दौरान प्रदूषण का सबसे अधिक स्तर दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई। आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी के 24 इलाकों में एक्यूआई 400 से अधिक रहा, जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रदूषण की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

भगवान श्रीकृष्ण पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ मामला दर्ज



आगरा, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के आगरा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ भगवान श्रीकृष्ण के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां करने को लेकर मुकदमा दायर किया गया है। आपराधिक मानहानि की शिकायत अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने सिविल जज जूनियर डिवीजन पंचम कंचन कुमारी की कोर्ट में दायर की है। उनका आरोप है कि शास्त्री ने भगवान कृष्ण के बारे में जो अपमानजनक बाते कही है, उससे उनके वंशजों की भावनाओं को ठेस पहुंची और सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हुई है।अधिवक्ता ने आगरा दीवानी न्यायालय में परिवाद दाखिल कर दलील दी कि भगवान श्रीकृष्ण के वंशज आज भी भारत में हैं, जिनमें जादौन, जडेजा और भाटी क्षत्रिय शामिल हैं। उन्होंने इसके लिए मथुरा गजेटियर और अलेक्जेंडर कनिंघम की 1882-83 की पुस्तक रिपोर्ट इन ईस्टर्न राजपूताना का उल्लेख किया है।



धन्वंतरि जयंती पर आयुष संस्थाओं में हुई पूजा-अर्चना, विश्व आरोग्य की कामना



नर्मदापुरम (निप्र)। आयुर्वेद चिकित्सा के जनक भगवान धन्वंतरि के अवतरण दिवस पर 6 नवंबर 2026 को जिले की आयुष विभाग की संस्थाओं में धन्वंतरि जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। जिला आयुष कार्यालय, शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय आई.टी.आई. नर्मदापुरम एवं आयुष विंग, जिला चिकित्सालय परिसर में भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर पुष्प अर्पित किए गए। जिला आयुष अधिकारी डॉ. एस. आर. करोंजिया, आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. ए. के. पुष्कर, डॉ. सविता पुष्कर, डॉ. ललिता उइके, डॉ. संदीप रघुवंशी सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने विश्व के आरोग्य और आयुर्वेद सेवा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में संतोष कुड़ापे, गोविंद वानखेड़े, सत्यनारायण कुमरे, जे. पी. भदौरिया, प्रिया बाजपेयी, आशा एक्का, मंजू सातनकर, किरण सिंह, आनंद शिंदे, प्रसन्न गौर, नीरज सिंह, शेर सिंह, सुमन धुर्वे, सुनीता चिड़ार, रंजना राठौर सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। इसके साथ ही नर्मदापुरम जिले की आयुष विभाग की समस्त संस्थाओं में भी धन्वंतरि जयंती पर पूजा-अर्चना कर आरोग्य की कामना की गई।

धनतेरस पर ग्राम चांदौन में मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत निःशुल्क रजिस्ट्री कार्यक्रम आयोजित

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने हितग्राहियों को स्वामित्व अधिकारों के महत्व से कराया अवगत
सांसद ने कलेक्टर सहित अधिकारियों के साथ सुनीं जनसमस्याएं

नर्मदापुरम (निप्र)। धनतेरस के पावन अवसर पर ग्राम चांदौन में मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत नि:शुल्क रजिस्ट्री कार्यक्रम आयोजित किया गया। सांसद दर्शन सिंह चौधरी की उपस्थिति में हितग्राहियों को स्वामित्व अधिकारों के महत्व से अवगत कराया गया।इस अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे ग्रामीण परिवारों को संपत्ति संबंधी सुरक्षा, सम्मान एवं आर्थिक सशक्तीकरण का अवसर मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति के स्वामित्व का स्पष्ट दस्तावेज होने से नागरिक विभिन्न आर्थिक एवं शासकीय योजनाओं का लाभ भी बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकेंगे।कार्यक्रम के दौरान सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने जिले के अधिकारियों के साथ उपस्थित जनता जनार्दन से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विषयों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर उचित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



कार्यक्रम में जिला कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के सदस्य नीतिराज सिंह पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मुकेश सराठे, उमेश सिंह पटेल, मंडल अध्यक्ष पलाश शुक्ला, छोटे साहब, रमेश पटेल, कमल किशोर भार्गव, नीतू पांडे, नरसिंह रावत, सरोवर पटेल, सुरेंद्र चौधरी, पहलवान गुर्जर, सुरेश कुशवाहा सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को संपत्ति का वैधानिक अधिकार दिलाने के साथ-साथ गांवों को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं समृद्ध बनाने के संकल्प को आगे बढ़ाना रहा।

K K

राजधानी समाचार





शनिवार 07 नवम्बर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

MP में सफाईकर्मियों की सैलरी 20 हजार तक बढ़ेगी,दैनिक वेतनभोगी होंगे परमानेंट

CM से मुलाकात के बाद हड़ताल खत्म

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में सफाई कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल खत्म कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के बाद कर्मचारी संगठनों ने आंदोलन खत्म करने का फैसला लिया। इसके बाद भोपाल के कुछ इलाकों में सफाई का काम भी शुरू हो गया। नरेला विधानसभा क्षेत्र में भी सफाई शुरू कर दी गई है। सरकार 25 दिवसीय सफाईकर्मियों को विनियमितीकरण की प्रक्रिया में शामिल करेगी। इससे उनका वेतन बढ़कर 18 से 20 हजार रुपए हो जाएगा। वहीं, 29 दिवसीय और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थायी करने की प्रक्रिया भी शुरू होगी। इसके लिए एक महीने में कार्रवाई पूरी करने का आश्वासन दिया गया है।

हड़ताल खत्म होने के बाद कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, महापौर मालती राय और निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार सफाईकर्मियों के साथ 10 नंबर मार्केट पहुंचे। यहां उन्होंने सफाई अभियान चलाया। इस दौरान तीनों अधिकारियों ने भी झाड़ू लगाई।

चार मांगों को लेकर तीन दिन से हड़ताल

सफाईकर्मी 10,500 रुपए वेतन बढ़ाकर 25 हजार रुपए करने समेत चार मांगों को लेकर तीन दिन से हड़ताल पर थे। इसके



चलते भोपाल की सड़कों पर 2,550 टन कचरा जमा हो गया था।

शुक्रवार को सफाईकर्मियों ने टैंकरों से पानी की सप्लाई भी बंद कर दी थी। इससे कई इलाकों में पानी का संकट खड़ा हो गया। हड़ताल में नगर निगम के करीब 6 हजार अन्य कर्मचारी भी शामिल हुए थे।

सीएम से मांगों को लेकर सकारात्मक बातचीत

यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट ने बताया कि पहले मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय और निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार के साथ बैठक हुई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की गई। बैठक में मांगों पर सकारात्मक बातचीत हुई।सफाईकर्मियों की मांग थी कि 25 दिन काम करने वालों का वेतन 10,500 रुपए से बढ़ाकर 25 हजार रुपए किया जाए। अब सरकार इन्हें विनियमितीकरण की प्रक्रिया में शामिल करेगी। इससे उनकी सैलरी बढ़कर 18 से 20 हजार रुपए हो जाएगी।

वहीं, 29 दिन काम करने वाले और दैनिक वेतन पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी स्थायी करने की प्रक्रिया शुरू होगी। यह काम एक महीने में पूरा किया जाएगा। इसकी शुरुआत कल से होगी। इसके लिए बनाई गई कमेटी में यूनियन के पदाधिकारी भी शामिल होंगे। कर्मचारियों की अनुकंपा नियुक्ति के मामलों पर भी काम किया जाएगा।

भोपाल के VIP इलाकों में भी बिगड़े हालात

भोपाल में हड़ताल का असर पॉश इलाकों से लेकर प्रशासनिक केंद्रों तक दिखाई दिया। मंत्रालय और वल्लभ भवन के आसपास भी कचरा जमा हो गया। चार इमली में कई मंत्री और सीनियर IAS-IPS अधिकारियों के बंगले हैं। यहां हनुमान मंदिर और साईं मंदिर के पास भी कचरे के ढेर लगे थे। अटल पथ पर भी सफाई नहीं होने से कचरा फैला था। दो दिन पहले यहां भाजपा की रैली हुई थी।कोलार रोड पर गेस्ट हाउस के सामने सिक्सलेन के सेंटर वर्ज में तीन दिन से कचरा जमा था। बुधवारा बाजार में जानवरों के शव सड़कों पर पड़े होने की भी जानकारी सामने आई थी।

हम गरीब के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, ईश्वर से यही कामना है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुख-समृद्धि के पर्व धनतेरस की शुभकामनाएं दीं



भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपोत्सव के शुभारंभ और सुख समृद्धि की मंगल कामना के पावन पर्व धनतेरस पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि आश्रम के प्राचीन कुंडेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान भगवान कुबेर से सभी के जीवन में वैभव और आरोग्यता बनाए रखने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सब परमात्मा की कृपा और अपने सामर्थ्य व समृद्धि से गरीब से गरीब आदमी के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, सभी के काम आएं और जियो और जीने दो के भाव को बढ़ाएं, ईश्वर से यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के माध्यम से प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वंतरि जी की पूजा होती है और आज से ही दीपावली का पर्व प्रारंभ होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और हमारा प्रदेश भी श्री मोदी के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। हमारा राज्य निवेश के मामले में पूरे देश में सबसे तेज गति से आगे चल रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश देश में नंबर वन की स्थिति में है।

दिवाली पर घर नहीं लौटेंगे कोरोना योद्धाः धरना स्थल पर जलेंगे दिए, बहाली के बिना आंदोलन खत्म नहीं करने का ऐलान

भोपाल (आरएनएस)। कोविड काल में सेवाएं देने के बाद नौकरी से हटाए गए करीब चार हजार आयुष चिकित्सक और पैरामेडिकल कर्मचारी एक महीने से



अधिक समय से पुनर्बहाली की मांग पर धरना दे रहे हैं। सरकार से फैसला नहीं होने पर उन्होंने दीपावली भी धरना स्थल पर मनाने का निर्णय लिया है। इस बार घरों में नहीं, नीलम पार्क में उनके दीये जलेंगे।

कोरोना महामारी के दौरान जान जोखिम में डालकर लोगों का इलाज करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की दीपावली इस बार घरों से दूर बीतेगी। नौकरी में वापसी की मांग को लेकर राजधानी के नीलम पार्क में डटे करीब चार हजार कोरोना योद्धाओं ने त्योहार भी आंदोलन के बीच मनाने का फैसला किया है। एक महीने से अधिक समय से जारी धरने के बीच कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार कोई ठोस निर्णय नहीं लेती, वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। कोरोना काल में अस्पतालों से लेकर कोविड सेंटर, आईसीयू, सैंपलिंग और टीकाकरण तक की जिम्मेदारी संभालने वाले इन कर्मचारियों को महामारी का असर कम होने के बाद नौकरी से हटा दिया गया था। उस समय सरकार ने उन्हें कोरोना योद्धा के रूप में सम्मान दिया था।

7 दिसंबर से शुरू होगा विधानसभा का शीतकालीन सत्र, पांच दिन चलेगी कार्यवाही; हंगामेदार रहने के आसार

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश विधानसभा का पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होकर 11 दिसंबर तक चलेगा। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने के आदेश के बाद सत्र बुलाने की अधिसूचना जारी हो गई हैं। इस बार जहरीली शराब से मौतों, पुलिस निरीक्षक की मौत, खाद संकट और बिजली कटौती जैसे मुद्दों पर कांग्रेस सरकार को घेरने की तैयारी में है। वहीं, सरकार अनुपूरक बजट सहित कई विधायी कार्य सदन में पेश करेगी।

मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र की अधिसूचना जारी कर दी गई है। सोलहवीं विधानसभा का 12वां सत्र 7 दिसंबर से 11 दिसंबर 2026 तक चलेगा। राज्यपाल के आदेश के अनुपालन में विधानसभा सचिवालय ने शुक्रवार को सत्र आहूत करने संबंधी अधिसूचना जारी की है। पांच दिन के इस सत्र में महत्वपूर्ण शासकीय कार्यों के साथ अशासकीय कार्य भी संपादित किए जाएंगे। विधानसभा सचिवालय ने विधायकों से अशासकीय विधेयकों और संकल्पों से संबंधित सूचनाएं निर्धारित समय-सीमा में भेजने को कहा है। अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 11 नवंबर तक और अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं 26 नवंबर तक सचिवालय में जमा



की जा सकेंगी।

इसके अलावा सत्र के दौरान स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और नियम 267-क के तहत सूचनाएं 1 दिसंबर से स्वीकार की जाएंगी। विधायक ये सूचनाएं विधानसभा सचिवालय में कार्यालयीन समय के दौरान सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक जमा कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि यह सोलहवीं मध्यप्रदेश विधानसभा का 12वां सत्र होगा। पांच दिवसीय सत्र में सरकार की ओर से अनुपूरक बजट सहित अन्य शासकीय कामकाज किए जाने की संभावना है। वहीं, विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

सत्र के हंगामेदार रहने के आसार

इस बार शीतकालीन सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं। विपक्षी कांग्रेस ने सरकार को घेरने के लिए कई मुद्दों पर तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश में जहरीली शराब से हुई मौतों और अवैध शराब के कारोबार के कारण पुलिस निरीक्षक की मौत का मामला सदन में उठ सकता है। इसके अलावा खाद की किल्लत और किसानों को हो रही परेशानी भी विपक्ष के निशाने पर रहेगी। प्रदेश में बिना सूचना बिजली कटौती का मुद्दा भी कांग्रेस उठा सकती है। वहीं, सरकारी नौकरियों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं मिलने का मामला भी सदन में गूंजने की संभावना है। अलग-अलग विभागों के चयनित उम्मीदवार लंबे समय से नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। विपक्ष इन आंदोलनों के जरिए सरकार से जवाब मांग सकता है। दूसरी ओर, सरकार की ओर से सत्र के दौरान अनुपूरक बजट पेश किए जाने की तैयारी है। इसके अलावा विभिन्न विभागों से जुड़े विधेयक और अन्य विधायी कार्य भी सदन में रखे जाएंगे। पांच दिन के इस सत्र में प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण और अन्य संसदीय कार्यों के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई मुद्दों पर बहस होने की संभावना है।

"सुनें सबकी, करें वहीं जो सही हो" के मूलमंत्र के साथ डीजीपी कैलाश मकवाणा ने नवनियुक्त एसपी बालाघाट मलय जैन को दी शुभकामनाएं

पुलिस मुख्यालय में आयोजित विदाई एवं सम्मान समारोह में डीजीपी ने श्री जैन को स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित

भोपाल (आरएनएस)। पुलिस मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसओ टू डीजीपी मलय जैन को पुलिस अधीक्षक, बालाघाट के पद पर नई जिम्मेदारी मिलने पर पुलिस मुख्यालय में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस



अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने श्री जैन को पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा बालाघाट में नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि दिसंबर 2024 में स्टाफ ऑफिसर के रूप में मलय जैन का चयन करते समय उनके ईमानदार, कर्मठ एवं विवादरहित कार्य व्यवहार को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने स्टाफ ऑफिसर के रूप में जनसुनवाई के आवेदनों की नियमित निगरानी एवं ट्रैकिंग तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल पुरस्कृत करने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया। डीजीपी श्री मकवाणा ने अपने पूर्व अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह जिला पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है। लगभग 32 वर्ष पूर्व वहां संचार सुविधाओं का अभाव, घने जंगलों में लंबी पैदल गश्त तथा बारूदी सुरंगों जैसे गंभीर खतरों के बीच पुलिस बल को कार्य करना पड़ता था।

पीएम जनमन योजना से बैगा बस्तियों में पहुंची बिजली की रोशनी, बच्चों की पढ़ाई से लेकर जीवनशैली तक आया बदलाव

भोपाल (आरएनएस)। जिले के दूरस्थ वनांचल और दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के बैगा परिवारों के जीवन में बिजली की रोशनी नई खुशियां लेकर आई है। वर्षों से बिजली जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित इन परिवारों के घर अब रोशन हो रहे हैं। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) योजना के माध्यम से सुदूर बैगा बस्तियों तक बिजली पहुंचने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्यों और दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अब बैगा परिवार भी बिजली की रोशनी में दीपावली सहित अन्य त्योहार मना सकेंगे। जिले के ग्राम सनौसी में लगभग 4 लाख 72 हजार रुपये की लागत से विद्युतीकरण कर 26 बैगा परिवारों को लाभान्वित किया गया है, वहीं ग्राम चंदेला के हितग्राही लालचंद बैगा ने बिजली मिलने के बाद बच्चों की पढ़ाई में आए बदलाव को साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ब्यौहारी जनपद पंचायत के दूरस्थ ग्राम सनौसी का बैगा टोला इसका उदाहरण है। यहां निवासरत बैगा परिवार लंबे समय से बिजली की सुविधा के अभाव में जीवनयापन कर रहे थे। सूर्यास्त होते ही पूरा टोला अंधेरे में डूब जाता था। बच्चों की पढ़ाई मिट्टी के तेल के दीयों की सीमित रोशनी तक सिमटी रहती थी। जंगल से लगे होने के कारण रात के समय सांप, बिच्छू और अन्य जंगली जीव-जंतुओं का भय भी बना रहता था। मोबाइल फोन चार्ज करने जैसी सामान्य सुविधा के लिए भी ग्रामीणों को दूसरे गांवों तक जाना पड़ता था।

बैगा परिवारों की इन समस्याओं को दूर करने के लिए पीएम जनमन योजना के अंतर्गत ग्राम सनौसी के बैगा टोले का चयन किया गया। यहां लगभग 4 लाख 72 हजार रुपये की लागत से विद्युतीकरण का कार्य कराया गया।कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद विद्युत विभाग एवं प्रशासन के समन्वय से विद्युत खंभे स्थापित किए गए, तार बिछाए गए तथा घरों में मीटर और बल्ब लगाए गए। इस कार्य से लगभग 26 बैगा परिवार लाभान्वित हुए हैं।

जरूरतमंद परिवारों की दीपावली भी होगी रोशन

अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुएं जरूरतमंदों को देकर बांटें दीपावली पर्व की खुशियां साल 2020 से निरंतर संचालित हो रहा अभियान, जनभागीदारी से जोड़े जा रहे नागरिक



भोपाल (ए.)। दीपावली के पर्व पर प्रत्येक जरूरतमंद परिवारों के घरों में भी खुशियों का उजाला पहुंचे, इसके लिए प्रदेश सरकार के आनंद विभाग अंतर्गत राज्य आनंद संस्थान द्वारा इस वर्ष भी 'हर घर दिवाली' अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से नागरिकों को अपनी आवश्यकता से अधिक उपलब्ध उपयोगी वस्तुएं जरूरतमंद परिवारों के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का मूल उद्देश्य समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना है। राज्य आनंद संस्थान अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से 'मदद' की अवधारणा को बढ़ावा देता रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित किया जाता है कि वह अपनी आवश्यकता से अधिक उपलब्ध वस्तुओं को ऐसे लोगों के साथ साझा करें, जिन्हें उनकी आवश्यकता है। अभियान के अंतर्गत लोगों से अपील की जा रही है कि वे अपने घरों, आसपास और परिचितों के बीच उपलब्ध अतिरिक्त एवं उपयोगी वस्तुओं को जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाएं। इनमें नए अथवा अच्छी स्थिति के कपड़े, बच्चों की सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, दीपक, सजावट की सामग्री, खाद्य सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। विशेष रूप से शहरों की संसाधन-विहीन बस्तियों में रहने वाले परिवारों तक सहयोग पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा यह पहल वर्ष 2020 से निरंतर संचालित की जा रही है। इस वर्ष भी संस्थान से जुड़े आनंदक, मास्टर ट्रेनर, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर, जिला संपर्क व्यक्ति, सहयोगी तथा आनंद क्लब के पदाधिकारी सामूहिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर लोगों से संपर्क कर इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप देंगे। वे अपने आसपास ऐसे परिवारों को चिह्नित कर सकते हैं, जिन्हें दीपावली के अवसर पर सहयोग की आवश्यकता है और स्थानीय स्तर पर सहयोग की व्यवस्था कर सकते हैं।संस्थान के निदेशक सत्य प्रकाश आर्य ने कहा कि दीपावली केवल अपने घर को रोशन करने का पर्व नहीं है, बल्कि किसी दूसरे के जीवन में भी खुशियों का उजाला लाने का अवसर है। हमारे घरों में अनेक ऐसी वस्तुएं उपलब्ध होती हैं, जिनकी हमें आवश्यकता नहीं रह गई है, लेकिन वे किसी अन्य परिवार के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण हो सकती हैं। यदि हम अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं को जरूरतमंदों के साथ साझा करें, तो उनके घर में भी दीपावली का उत्साह और उल्लास पहुंचा सकते हैं। 'हर घर दिवाली' अभियान इसी मानवीय संवेदना और सामाजिक सहभागिता का प्रयास है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस दीपावली पर अपनी खुशियों में दूसरों को भी सहभागी बनाएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आएं। यह अभियान केवल वस्तुओं के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता और साझा खुशियों की संस्कृति विकसित करने का माध्यम भी है।

सर्दी में जरा सी लापरवाही पड़ सकती है भारी, फेफड़ों तक पहुंच रहा संक्रमण, इन्हें ज्यादा खतरा

भोपाल (आरएनएस)। सर्दी के मौसम में इन्फ्लूएंजा और वायरल निमोनिया जैसे सांस के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। एम्स भोपाल ने चेताया है कि सामान्य सर्दी-खांसी समझकर लक्षणों को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।



सर्दी शुरू होते ही खांसी-जुकाम और बुखार को सामान्य मानकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। मौसम में बदलाव के साथ सांस के वायरस सक्रिय होते हैं और संक्रमण फेफड़ों तक पहुंचकर निमोनिया जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। इसे देखते हुए एम्स भोपाल ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। संस्थान के मुताबिक, समय पर टीकाकरण और शुरुआती लक्षणों को पहचानना गंभीर संक्रमण से बचने में अहम भूमिका निभाता है। एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने बताया कि तापमान में गिरावट और नमी में बदलाव के साथ सर्दियों में लोग ज्यादा समय बंद कमरों में बिताते हैं। कम हवादार जगहों पर एक-दूसरे के संपर्क में आने से इन्फ्लूएंजा और दूसरे सांस के वायरस फैलने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सामान्य दिखने वाला संक्रमण भी कुछ लोगों के लिए गंभीर हो सकता है।

इन लोगों के लिए ज्यादा खतरा

बुजुर्गों, छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को संक्रमण के प्रति विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। धूम्रपान करने वालों के साथ दमा, सीओपीडी, मधुमेह और हृदय रोग से पीड़ित लोगों के लिए भी खतरा अधिक रहता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में संक्रमण पहले से मौजूद बीमारी को बिगाड़ सकता है और गंभीर निमोनिया का रूप ले सकता है।

हर साल फ्लू का टीका लगवाने की सलाह

एम्स भोपाल ने बचाव के लिए हर साल इन्फ्लूएंजा का टीका लगवाने की सलाह दी है। खासकर जोखिम वाले लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों को टीकाकरण पर ध्यान देना चाहिए। उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार निमोनिया से बचाव का टीका लगवाने पर भी डॉक्टर से सलाह ली जा सकती है।इन्फ्लूएंजा होने पर अचानक बुखार, कंपकंपी, सिरदर्द, बदन दर्द, गले में खराश, खांसी और अत्यधिक थकान हो सकती है। यदि तेज बुखार लगातार बना रहे, सांस फूलने लगे, सीने में दर्द हो, मरीज भ्रम की स्थिति में पहुंचे या होंठ नीले पड़ने लगें तो तत्काल चिकित्सकीय मदद लेनी चाहिए। ऑक्सीजन का स्तर कम होना भी गंभीर संकेत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा अनुरूप अनुकंपा नियुक्ति के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप मध्यप्रदेश में वर्षों से लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को विशेष अभियान चलाकर निराकृत किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर प्रदेश के सभी विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।आदेश में कहा गया है कि प्रदेश में विभिन्न विभागों, संभाग स्तर एवं जिला स्तर के कार्यालयों में अनुकंपा नियुक्ति संबंधी अनेक प्रकरण पद उपलब्ध न होने से लंबित हैं। विगत कुछ दिवसों में विशेष अभियान संचालित कर वृहद स्तर पर पदोन्नतियां की जाने से अब प्रत्येक संवर्ग में पर्याप्त पद उपलब्ध हो गए होंगे। इस स्थिति का लाभ उठाते हुए विशेष अभियान चलाकर विभाग के अंतर्गत लंबित समस्त अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण किया जाए।

धनतेरस पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी पुश्तैनी दुकान से बेचा ग्राहकों को सामान



इंदौर (ए.) । मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय हर साल धनतेरस पर अपनी पुश्तैनी दुकान पर समय बिताते हैं। वे ग्राहकों से पूछते हैं कि उन्हें क्या चाहिए और फिर खुद सामान तौलकर देते हैं। ग्राहक खरीदे गए सामान के पैसे भी चुकाते हैं।यह नजारा शुक्रवार को भी देखने को मिला। शाम को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय नंदानगर स्थित अपनी दुकान पर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने पूजा की। इसके बाद वे ग्राहकों को सामान बेचने लगे। उन्होंने कई पुराने ग्राहकों से सामान की सूची ली। त्योहार के कारण दुकान पर भीड़ थी। कुछ लोग मंत्री को देखकर उनसे मिलने के लिए भी दुकान पर पहुंचे।मंत्री करीब आधे घंटे तक अपनी दुकान पर बैठे। उन्होंने बताया कि उनकी किराने की दुकान 45 साल से भी ज्यादा पुरानी है। पहले यह घर के आगे वाले कमरे में संचालित होती थी। उनकी मां अयोध्याबाई विजयवर्गीय दुकान संभालती थीं। कैलाश विजयवर्गीय और उनके भाई विजय भी मां के काम में हाथ बंटाते थे।

मेट्रो स्टेशन के लिए छोटा गणपति क्षेत्र में रोक दिया रास्ता, व्यापारियो ने कहा- दीपावली पर धंधा बिगाड़ा

इंदौर (ए.) । इंदौर के छोटा गणपति क्षेत्र में मेट्रो के अंडरग्राउंड स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने सड़क बंद कर खुदाई शुरू करवा दी। स्थानीय व्यापारियों ने इसका विरोध करते हुए दीपावली के त्योहार का हवाला दिया।जिस मार्ग को बंद किया गया है, वहां सड़क किनारे फुटपाथ पर महिलाएं दीपावली के दीये और पूजन सामग्री की दुकानें लगाती हैं। इन महिलाओं ने भी एकत्र होकर रास्ता बंद करने का विरोध किया, लेकिन मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया।

व्यापारी शेखर गिरी ने कहा कि मल्हारगंज और छोटा गणपति शहर के पुराने व्यापारिक क्षेत्र हैं। दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर मार्ग बंद करना समझ से परे है। निर्माण कार्य करने वाली ठेकेदार एजेंसियां दूसरे शहरों की हैं।

उनके कर्मचारी शहर की तासीर और यहां के व्यापारिक माहौल को नहीं समझते। यही वजह है कि दीपावली के समय ही सड़क बंद कर दी गई। इससे त्योहार के दौरान कारोबार प्रभावित होगा। गुरुवार को ही कई ग्राहकों को रास्ता बंद होने के कारण वापस लौटना पड़ा। व्यापारियों का कहना है कि सड़क की खुदाई का काम त्योहार के बाद भी किया जा सकता था।

जबलपुर में तैयार हुआ सेना का सुरक्षा कवच- नया स्वदेशी आर्म्ड वाहन तैयार, लेह-लद्दाख में सफल परीक्षण

जबलपुर (ए.) । भारतीय सेना के लिए जबलपुर की व्हीकल फैक्टरी ने स्वदेशी लाइट आर्म्ड मल्टीपरपज व्हीकल विकसित किया है। 450 BHP इंजन, 4×4 तकनीक और बैलिस्टिक सुरक्षा से लैस यह वाहन कठिन इलाकों में सैन्य अभियानों को मजबूती देगा।

भारतीय सेना की युद्ध क्षमता को अधिक मजबूत करने के लिए एक नया स्वदेशी सुरक्षा कवच सामने आया है। आर्मर्ड व्हीकल निगम लि. की जबलपुर स्थित इकाई व्हीकल फैक्टरी जबलपुर (वीएफजे) ने सेना के लिए अगली पीढ़ी का स्वदेशी लाइट आर्म्ड मल्टीपरपज व्हीकल (एलएएमवी) विकसित किया है।यह बख्तरबंद वाहन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और शहरी युद्ध के मैदानों में तैनात होकर सैन्य अभियानों को नई गति देगा। फैक्टरी ने इस वाहन को आत्मनिर्भर भारत अभियान की सोच के अनुरूप तैयार किया है, जिसके अधिकांश कलपुर्जे देश के भीतर ही निर्मित हो रहे हैं। वीएफजे ने इस वाहन का मॉडल तैयार करते समय आधुनिक युद्ध की जरूरतों के साथ-



साथ जवानों की सुरक्षा, तेज रफ्तार, भारी सामान ले जाने की क्षमता और कठिन रास्तों पर सहज आवाजाही का विशेष ध्यान रखा है।

फैक्टरी ने वाहन की कार्यक्षमता और मजबूती को परखने के लिए देश के बेहद चुनौतीपूर्ण और दुर्गम क्षेत्रों का चयन किया। सूत्रों के अनुसार फैक्टरी ने इस वाहन का मैदानी परीक्षण लेह-लद्दाख के अत्यधिक ठंडे और दुर्गम इलाकों में किया। विशेषज्ञों ने शून्य से नीचे के तापमान, कम ऑक्सीजन वाली पतली हवा, बर्फ से ढकी सड़कों तथा पथरीली चढ़ाइयों के बीच वाहन की क्षमता को परखा।

इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी यह वाहन सेना की सभी आवश्यकताओं पर खरा उतरे। सैनिकों की तीव्र आवाजाही, दुश्मन की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने और शहरी युद्ध में यह 4×4 हाई-मोबिलिटी आर्मर्ड प्लेटफॉर्म विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगा।इंजीनियरों ने इस वाहन में कई आधुनिक तकनीकी विशेषताएं जोड़ी हैं जो इसे पारंपरिक सैन्य वाहनों से अधिक सक्षम बनाती हैं। इस वाहन में 450 बीएचपी की क्षमता वाला शक्तिशाली इंजन और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन प्रणाली लगी है, जिससे यह 100 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से दौड़ सकता है। यह वाहन 1,500 किलोग्राम तक का भार उठाने में सक्षम है। वाहन के भीतर चालक समेत कुल चार जवानों के बैठने का स्थान मौजूद है। सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों के तेजी से बाहर निकलने और अंदर आने की सुविधा के लिए इसमें पांच दरवाजे दिए गए हैं।

ग्वालियर जिले में धनतेरस के पावन अवसर पर गाँव-गाँव में निःशुल्क ई-रजिस्ट्री के लिए चला विशेष अभियान

आरोली में "मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना" के तहत सांसद श्री कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में हुआ आयोजन

ग्वालियर (ए.) । धनतेरस के पावन अवसर पर ग्वालियर जिले में भी "मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना" (स्वामित्व योजना) के तहत निःशुल्क रजिस्ट्री करने के लिये गाँव-गाँव में विशेष अभियान का आयोजन हुआ। सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह तानसेन तहसील के ग्राम आरोली में अभियान के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रामीण अंचल में निवासरत लोगों के घरों में खुशियों के दीप जलाए हैं। इस योजना के तहत ग्रामीणों के नाम आबादी भूमि की निःशुल्क रजिस्ट्री कर सरकार ने उनका मान-सम्मान तो बढ़ाया ही है, साथ ही उन्हें वैधानिक रूप से संपत्ति का मालिक भी बनाया है। सांसद श्री कुशवाह की मौजूदगी में आरोली में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत ग्रामीणों की ई-रजिस्ट्री भी की गई। आरोली ग्राम में 126 ई-रजिस्ट्री की जाना है। इनमें से 98 लोगों की रजिस्ट्री कर दी गई हैं।

ग्रामीणों ने तेजी के साथ ई-रजिस्ट्री करने के लिये गाँव की पटवारी सुश्री आरजू पाण्डेय की खुलकर सराहना की। कार्यक्रम में सर्वश्री दशरथ सिंह गुर्जर, हरकेन्द्र सिंह बघेल, सुधाकर पाठक, छविराम कुशवाह व पीपी नरवरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण श्रीमती मनीषा कॉल सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। आरोली के स्कूल परिसर में आयोजित हुए कार्यक्रम को संबोधित करते



हुए सांसद कुशवाह ने कहा कि असली त्यौहार व पूजा गरीबों की सेवा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार इसी भाव के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने तत्परता के साथ रजिस्ट्री करने के लिये राजस्व विभाग की टीम की सराहना की। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधिगणों से आग्रह किया कि वे राजस्व टीम की मदद करें, जिससे शेष ई-रजिस्ट्री का काम जल्द से जल्द पूर्ण हो सके।

कलेक्ट्रेट में फफक-फफक कर रोई पीड़िता, बोली- अब बच्चों के साथ जहर खाकर मर जाऊं क्या?

उज्जैन (ए.) । उज्जैन की जनसुनवाई में दो बच्चों की मां ने रोते हुए ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए और रहने के लिए जगह दिलाने की मांग की। महिला का आरोप है कि रिटायर्ड एसआई ससुर ने अनुचित मांग रखी थी। मार्च 2025 में पुलिस शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने की बात भी कही। उज्जैन में जनसुनवाई के दौरान एक महिला अपनी परेशानी बताते हुए फफक-फफक कर रो पड़ी। दो बच्चों की मां न्याय की गुहार लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची थी। उसने अधिकारियों को अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि वह इतनी परेशान हो चुकी है कि अब जीने का मन नहीं करता। महिला ने आरोप लगाया कि उसके ससुर ने रिटायरमेंट के बाद उससे गलत मांग की थी। इस मामले में उसने पुलिस से भी शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला कलेक्टर से मिलकर ससुराल में रहने के लिए जगह दिलाने की मांग करना चाहती थी, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद उसने जनसुनवाई में मौजूद अधिकारियों को आवेदन देकर अपनी समस्या बताई। महिला के मुताबिक, वह अपने पति और दो बच्चों के साथ फिलहाल खंडेलवाल नगर में किराए के मकान में रह रही है। मकान मालिक अब मकान खाली करने का दबाव बना रहे हैं। पति की आमदनी इतनी नहीं है कि घर का खर्च चलाने के साथ किराया भी दे सकें।महिला ने बताया कि उसकी शादी को 13 साल हो चुके हैं। उसके दो बच्चे हैं। करीब एक साल पहले वह मायके गई थी। इसी दौरान ससुराल वालों ने घर से उसका सामान निकलवाकर पास की खंडेलवाल नगर कॉलोनी में किराए के मकान में रखवा दिया। तब से वह पति और बच्चों के साथ इसी मकान में रह रही है। महिला का कहना है कि ससुराल में उनके हिस्से की जगह है, लेकिन वह किराए पर दी हुई है।

व्यापार समाचार

Hero ने लॉन्च की नई Xtreme vwzR Stealth Edition, 1.16 लाख रुपए की कीमत में क्रूज कंट्रोल भी शामिल



नई दिल्ली (ए.) । देश की प्रमुख दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने 125ष्ठ कम्यूटर-स्पोर्ट्स सेगमेंट में बड़ा धमाका करते हुए अपनी लोकप्रिय बाइक एक्सट्रीम 125आर (Hero Xtreme 125क्र) का नया 'स्टील्थ एडिशन' भारतीय बाजार में औपचारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इस नए फ्लैगशिप वेरिएंट को आधुनिक कनेक्टिविटी और हाई-टेक सेफ्टी फीचर्स से लैस किया है। इस एडिशन की सबसे बड़ी खासियत इसका नया 4.2 इंच का टीएफटी डिस्प्ले और सेगमेंट-फर्स्ट टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (TPMS) है, जो आमतौर पर प्रीमियम और महंगी स्पोर्ट्स बाइक्स में ही देखने को मिलता है।

1.16 लाख रुपये रखी गई शुरुआती कीमत, मिडनाइट ब्लैक के साथ मिलेगा स्पोर्टी लुक

हीरो मोटोकॉर्प ने नई एक्सट्रीम 125आर स्टील्थ एडिशन की पूरे भारत में एक्स-शोरूम कीमत 1,16,250 रुपये तय की है। यह बाइक बेहद आकर्षक 'मिडनाइट ब्लैक' कलर थीम में पेश की गई है, जिस पर दिए गए पर्ल रेड एक्सेंट्स इसके एग्रेसिव लुक को और निखारते हैं। इसके साथ ही इसमें स्पोर्टी फिनिश वाले कलरफुल अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं, जो सड़क पर इसे साधारण कम्यूटर बाइक्स से बिल्कुल अलग और प्रीमियम पहचान देते हैं।

सेगमेंट में पहली बार मिला TPMS और 4.2-इंच का स्मार्ट TFT इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर

कंपनी का दावा है कि 125cc सेगमेंट में टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (TPMS) देने वाली यह पहली बाइक बन गई है। इस फीचर की बदौलत राइडर को चलती बाइक के दौरान स्क्रीन पर ही रियल-टाइम पता चलता रहेगा कि दोनों टायरों में हवा का दबाव कितना है। इसके अलावा, बाइक में 4.2 इंच का कलर टीएफटी कंसोल दिया गया है, जो ब्लूटूथ कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। स्मार्टफोन से कनेक्ट होते ही राइडर स्क्रीन पर टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, इनकमिंग कॉल और एसएमएस अलर्ट्स के साथ म्यूजिक प्लेबैक को सीधे हैंडल से कंट्रोल कर सकता है।सुरक्षा और राइडिंग कम्फर्ट को ध्यान में रखते हुए इस बाइक में डुअल-चैनल एबीएस (ABS) का विकल्प दिया गया है, जो अचानक ब्रेक लगाने पर बाइक के फिसलने के खतरे को काफी कम करता है। बाइक में तीन अलग-अलग राइडिंग मोड्स—रेन, रोड और स्पोर्ट मिलते हैं, जिन्हें मौसम और सड़क की स्थिति के अनुसार बदला जा सकता है। इसके अलावा लंबे सफर में थकान कम करने के लिए इसमें क्रूज कंट्रोल का फीचर भी जोड़ा गया है। परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें 124.7cc का सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन मौजूद है, जो 11.4 बीएचपी की पावर और 10.5 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

एआई अगले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था में जोड़ सकता है 79 अरब डॉलर : रिपोर्ट

नई दिल्ली (ए.) । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अगले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था में 79 अरब डॉलर तक का योगदान दे सकती है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, एआई क्षमता के मामले में भारत 56 कॉमनवेल्थ देशों में 11वें स्थान पर है और युवाओं की बड़ी आबादी के कारण वैश्विक एआई परिदृश्य में उसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आयर थिंक टैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 38.2 करोड़ युवा हैं, जो कॉमनवेल्थ देशों की कुल 73.2 करोड़ युवा आबादी के आधे से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह जनसांख्यिकीय ताकत भारत को एआई आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय युवाओं में एआई को लेकर उत्साह काफी अधिक है। लगभग 89 प्रतिशत युवा अगले एक वर्ष के भीतर शिक्षा या रोजगार से जुड़े कार्यों में एआई का उपयोग करना चाहते हैं। वहीं 60 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने कहा कि उन्हें एआई-आधारित उपकरणों के साथ काम करने और उनका उपयोग करने का आत्मविश्वास है।

भारत के व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचे, मजबूत 4जी कनेक्टिविटी और दुनिया के सबसे सस्ते मोबाइल डेटा में से एक होने के कारण एआई



अपनाने की क्षमता को भी बड़ा समर्थन मिला है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अभी केवल लगभग दो-तिहाई युवाओं के पास ही व्यक्तिगत मोबाइल फोन हैं, जो डिजिटल पहुंच के क्षेत्र में मौजूद चुनौतियों को दर्शाता है।

रिपोर्ट ने श्रम बाजार से जुड़े कुछ मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। इसके अनुसार करीब 30 प्रतिशत युवा रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण से बाहर हैं, जबकि लगभग 86 प्रतिशत युवा कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है। ऐसे में एआई आधारित कौशल विकास कार्यक्रम रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

आयर थिंक टैंक के विश्लेषण के अनुसार, मध्यम परिदृश्य में एआई भारत की जीडीपी में अगले 10 वर्षों में 79.1 अरब डॉलर का अतिरिक्त योगदान दे सकता है। यह योगदान सतर्क अनुमान के अनुसार 39.6 अरब डॉलर और आशावादी स्थिति में 118.7 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इस आधार पर भारत कॉमनवेल्थ देशों में एआई से मिलने वाले आर्थिक लाभ के मामले में दूसरा सबसे बड़ा अवसर बनकर उभरता है।

आयर थिंक टैंक के संस्थापक कैल्विन आयर ने कहा कि भारत पहले ही अपनी तकनीकी क्षमताओं को रोजगार सृजन में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि अगस्त 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वर्ष के भीतर एक करोड़ युवाओं को एआई कौशल प्रदान करने की योजना की घोषणा की थी।

उन्होंने कहा कि इसके बाद सरकार ने इंटेल इंडिया के सहयोग से नए एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए, जिनका उद्देश्य युवाओं को उभरते प्रौद्योगिकी आधारित रोजगार बाजार के लिए व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि ये पहल भारत में एआई के प्रति मौजूद उत्साह को रोजगार, उद्यमिता और आर्थिक विकास में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत एआई के लिए तैयार कार्यबल विकसित करने हेतु बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और उद्योग साझेदारियों को बढ़ावा दे रहा है।

कमजोर वैश्विक संकेतों से बाजार की फ्लैट शुरुआत, सेंसेक्स में 358 अंकों की बढ़त; आईटी शेयरों ने दिखाया दम

मुंबई (आरएनएस) । पिछले दिनों की लगातार शानदार तेजी के बाद, अमेरिकी और एशियाई बाजारों में आई तेज गिरावट के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ खुला।

बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 79,310.01 से 103.65 अंक यानी 0.13 प्रतिशत चढ़कर 79,413.66 पर खुला। हालांकि कुछ ही समय बाद इसमें और गिरावट दर्ज की गई और यह 293.95 अंक यानी 0.37 प्रतिशत गिरकर 79,016.05 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया।

हालांकि बाद के कारोबार में बाजार ने फिर से रिकवरी की और यह 358.36 अंकों यानी 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 79,668.37 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद भाव 24,536.60 की तुलना में 24,538.20 पर फ्लैट खुला और कुछ ही देर में इसमें और गिरावट दर्ज की गई और यह 148.55 अंक या 0.60 प्रतिशत गिरकर 24,388.05 के दिन के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया। हालांकि बाद के कारोबार में इसने भी रिकवरी की और 108.55 अंक या 0.44 प्रतिशत चढ़कर 24,645.15 के दिन के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया।इस बीच, व्यापक बाजारों में कमजोरी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.89 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।सेक्टोरल आधार पर सबसे ज्यादा दबाव मेटल शेयरों पर देखने को मिला, और निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.7 प्रतिशत गिर गया। इसके अलावा निफ्टी रियल्टी में 1.56 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। केमिकल, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी और ऑटो शेयरों में भी 1.34 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली।

अक्टूबर में भारत में ऑटो रिटेल बिक्री 31.72 लाख यूनिट के पार, ईवी बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड



नई दिल्ली (आरएनएस) । भारत के ऑटोमोबाइल क्षेत्र ने अक्टूबर 2026 में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने शुक्रवार को कहा कि देशभर में कुल वाहन खुदरा बिक्री 31,72,466 यूनिट रही, जो सितंबर की तुलना में 25.05 प्रतिशत अधिक रही, हालांकि अक्टूबर 2025 के मुकाबले 23.80 प्रतिशत कम दर्ज की गई। फाडा का कहना है कि सालाना आधार पर दिख रही यह गिरावट मुख्य रूप से पिछले वर्ष के असाधारण उच्च आधार प्रभाव का परिणाम है।

अक्टूबर का सबसे बड़ा आकर्षण इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट रहा। ईवी खुदरा बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर लगभग 3.55 लाख यूनिट रही, जो एक साल पहले की तुलना में 44.88 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही कुल वाहन बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 11.5 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले वर्ष यह करीब 6 प्रतिशत थी। दोपहिया, तिपहिया, यात्री वाहन और वाणिज्यिक वाहन, सभी श्रेणियों में अक्टूबर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ महीना रहा।

फाडा अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि अक्टूबर 2025 असाधारण रूप से मजबूत महीना था, क्योंकि उस समय नवरात्रि और दीपावली दोनों एक ही महीने में आए थे। इसके अलावा जीएसटी 2.0 दरों में कटौती के बाद बनी अतिरिक्त मांग का भी लाभ बाजार को मिला था। इसके विपरीत इस वर्ष नवरात्रि अक्टूबर में रही, जबकि धनतेरस और दीपावली नवंबर में चली गईं।

इसी उच्च आधार के कारण दोपहिया वाहनों की बिक्री में 28.35 प्रतिशत और यात्री वाहन बिक्री में 14.23 प्रतिशत की सालाना गिरावट दिखाई दी। हालांकि वाणिज्यिक वाहन बिक्री 2.29 प्रतिशत, तिपहिया वाहन 3.97 प्रतिशत, ट्रैक्टर 3.10 प्रतिशत और निर्माण उपकरण 22.07 प्रतिशत बढ़े।

साई गिरिधर ने कहा कि वास्तविक तस्वीर देखने पर यह अक्टूबर इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा अक्टूबर रहा। वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और ट्रैक्टर श्रेणियों ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर प्रदर्शन दर्ज किया। सितंबर की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि ही त्योहारी मांग का सही संकेतक है।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 23,21,419 यूनिट रही। यह सेगमेंट सबसे अधिक ग्रामीण और त्योहारी मांग पर निर्भर करता है। हालांकि सालाना आधार पर गिरावट दिखी, लेकिन मासिक आधार पर दोपहिया बिक्री 29.67 प्रतिशत बढ़ी। डीलरों के अनुसार, त्योहारी सीजन में ग्राहकों की अच्छी आवाजाही रही, हालांकि कुछ क्षेत्रों में कम बारिश और कमजोर खरीफ फसल के कारण ग्रामीण मांग पर दबाव देखा गया।

वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट ने भी मजबूत प्रदर्शन किया। अक्टूबर में इस श्रेणी की बिक्री 1,15,140 यूनिट रही, जो सालाना आधार पर 2.29 प्रतिशत और सितंबर की तुलना में 11.19 प्रतिशत अधिक है। भारी वाणिज्यिक वाहनों (एचसीवी) की बिक्री 28.95 प्रतिशत और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों (एमसीवी) की बिक्री 21.16 प्रतिशत बढ़ी, जबकि हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) में 9.57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

यात्री वाहन श्रेणी में 5,07,768 यूनिट की खुदरा बिक्री हुई। यह अक्टूबर 2025 के असाधारण स्तर से 14.23 प्रतिशत कम रही, लेकिन सितंबर के मुकाबले 18.86 प्रतिशत अधिक रही। यह अब तक का तीसरा सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर प्रदर्शन है। स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और नए मॉडलों की लॉन्चिंग ने मांग को मजबूत बनाए रखा, जबकि एंट्री-लेवल कारों की मांग अपेक्षाकृत कमजोर रही।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

लाचारी जैसी स्थिति

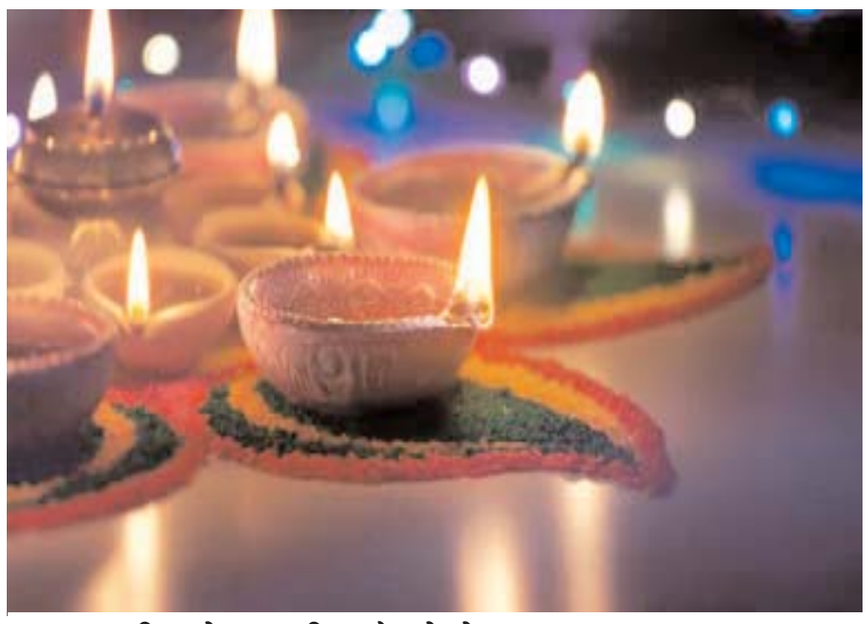
इस सदी में भारतीय मध्य वर्ग के विस्तार और उसे सहारा दिए रहने का प्रमुख स्रोत टेक सेक्टर रहा है। वहां अवसर सिकुड़ने और उस स्रोत से आमदनी में गिरावट का सीधा असर उपभोक्ता बाजार पर पड़ेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह खबर चिंताजनक है कि इस वर्ष सूचना तकनीक क्षेत्र में कर्मचारियों की वेतन वृद्धि (अप्रेजल) निराशाजनक रही है। टेक पेशेवरकर्मियों के ऐप ब्लाइंड के सर्वे से सामने आया है कि 35 प्रतिशत कर्मचारियों को या तो कोई वेतन वृद्धि नहीं मिली, या वेतन कटौती का सामना करना पड़ा। इसमें 30 प्रतिशत के वेतन में शून्य बढ़ोतरी हुई, जबकि पांच प्रतिशत की सैलरी घटी। यह सर्वे 2,178 टेक प्रोफेशनल्स को शामिल करते हुए किया गया। इससे सामने आई स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि एक से पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि को जोड़ लें, तो कुल 59 प्रतिशत कर्मचारियों की वेतन वृद्धि पांच प्रतिशत या उससे कम रही। 2025 में ऐसे कर्मचारियों की संख्या सिर्फ 34 प्रतिशत थी। जानकारों के मुताबिक इसका कारण कर्मचारियों का खराब प्रदर्शन नहीं है। बल्कि सर्वे के दौरान 41 प्रतिशत लोगों ने कंपनी की खराब वित्तीय हालत या लागत में कटौती को कारण बताया, जबकि 18 प्रतिशत ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और ऑटोमेशन को जिम्मेदार माना। एआई की लागत सबसे बड़ा फैक्टर बनकर उभरी है। कई कंपनियों ने बढ़ते एआई और सर्वर खर्च के कारण कर्मचारियों की वेतन वृद्धि को फ्रीज कर दिया है। इस घटनाक्रम का असर बेशक कर्मचारियों की संतुष्टि पर पड़ रहा है। ये बात ब्लाइंड सर्वे से भी सामने आई है। इसका असर आने वाले समय में उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, जिसका एक नतीजा उनकी नौकरी का खतरे में पड़ना होगा। दरअसल, सर्वे के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें अब वेतन वृद्धि से ज्यादा छंटनी का डर सता रहा है। लेकिन बात सिर्फ उन कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगी। इस सदी में भारतीय मध्य वर्ग के निर्माण, विस्तार और उसे सहारा दिए रहने का प्रमुख स्रोत टेक सेक्टर रहा है। वहां अवसर सिकुड़ने और इस स्रोत से होने वाली आमदनी में गिरावट का सीधा असर उपभोक्ता बाजार पर पड़ेगा, जिससे पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। इस आशंका को लेकर काफी समय से चेतावनी दी जाती रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसके बावजूद लाचारी जैसी स्थिति बनी हुई है।

इस दिवाली आसमान नहीं, अपना नजरिया रोशन कीजिए

कृति आरके जैन

दिवाली की रात कहीं खुशियों के धमाके गूँजते हैं, तो कहीं यही गूँज खौफ बन जाती है। आसमान में फूटता एक पटाखा किसी बच्चे को माँ की गोद में दुबकने, हृदय रोगी को बेचैन होने, बुजुर्ग को रातभर जागने और बेजुबान जानवर को पलंग के नीचे छिपने पर मजबूर कर देता है। उत्सव का यह अनदेखा दर्द अब शहरों की सोच बदल रहा है। लोग समझने लगे हैं कि अपनी खुशी के लिए दूसरों का सुकून छीनना जरूरी नहीं। यही वजह है कि कुछ परिवार धमाकों के बजाय दीयों की रोशनी, अपनों का साथ और सुकून भरी रात चुन रहे हैं। 'साइलेंट दिवाली' का बढ़ता चलन इसी नई संवेदना का प्रतीक है। यह केवल पटाखों से दूरी नहीं, बल्कि दूसरों के दर्द को समझने और उनके सुकून का सम्मान करने की सामाजिक पहल है। शहरों में बढ़ता शोर सुकून दुर्लभ बना रहा है। हॉर्न, निर्माण कार्यों की ठक-ठक, बाजारों का कोलाहल और मोबाइल की सूचनाएँ सुबह से ही कानों को चैन नहीं लेने देतीं। दिवाली पर पटाखे ध्वनि-प्रदूषण बढ़ा देते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आवासीय क्षेत्रों में रात का ध्वनि स्तर 45 और शांत क्षेत्रों में 40 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। दिल्ली, पुणे और गाजियाबाद में दिवाली की रात यह स्तर अक्सर 70 से 90 डेसिबल तक पहुँच जाता है। दिल्ली के करोल बाग में 2025 की दिवाली पर 93.5 डेसिबल दर्ज हुआ। एक जोरदार पटाखा 140 से 160 डेसिबल तक शोर पैदा कर सकता है, जो नजदीक से जेट विमान के उड़ान भरने के शोर के लगभग बराबर है। यानी, चंद पलों का मनोरंजन गंभीर ध्वनि-आघात बन सकता है।पटाखों का शोर थम जाता है, लेकिन उसका असर शरीर और मन पर देर तक रहता है। ध्वनि प्रदूषण दिखाई नहीं देता, फिर भी भीतर तक नुकसान पहुँचाता है। छोटे बच्चों का श्रवण तंत्र अभी विकसित हो रहा होता है, जबकि बुजुर्गों और हृदय रोगियों के लिए अचानक होने वाले धमाके परेशानी बढ़ा सकते हैं। चिकित्सकीय अध्ययन अत्यधिक शोर को तनाव हार्मोन बढ़ने, नींद टूटने और हृदय संबंधी जोखिमों से जोड़ते हैं। इसका असर पशु-पक्षियों पर भी पड़ता है। पालतू कुत्ते-बिल्लियाँ डरकर



उत्सव वही, जो हर जीव के चेहरे पर मुस्कान लाए

जिस खुशी में किसी की आँखें नम हों, वह कैसी दिवाली ?

छिप जाते हैं और पक्षी घबराकर बसेरों से उड़ जाते हैं। अस्पतालों के मरीज बेचैन रहते हैं और परिवार रातभर परेशान होते हैं। आखिर किसी की खुशी दूसरों के स्वास्थ्य, नींद और मानसिक शांति से बढ़कर कैसे हो सकती है? बदलाव तब आता है, जब लोग नियमों के डर से नहीं, दूसरों की तकलीफ समझकर व्यवहार बदलते हैं। पुणे के कई मोहल्लों में निवासी समूहों ने हाल के वर्षों में शांत दिवाली मनाने का फैसला किया है। किसी ने पालतू जानवरों का डर देखा, किसी ने अस्पताल के मरीजों की परेशानी महसूस की, तो किसी ने धमाकों के बीच बच्चों को कानों पर हाथ रखे पाया। इन अनुभवों ने उन्हें समझाया कि त्योहार की खुशी दूसरों का सुकून छीनकर नहीं मनानी चाहिए। तमिलनाडु के कुछ गाँवों में पक्षियों की सुरक्षा के लिए दशकों से बिना पटाखों के दिवाली मनाई जाती है। वहाँ प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व अपनाया गया है। अब शहर भी इसी सोच को अपना रहे हैं और मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों के सुकून को महत्त्व दे रहे हैं। लॉकडाउन ने शहरों को शांति का महत्त्व समझाया। सड़कें सूनी हुईं, यातायात थमा और बरसों से गूँजता शोर अचानक कम हो गया। लोगों ने महसूस किया कि शांति केवल शोर का अभाव नहीं, बल्कि जीवन की जरूरत है। घरों में रहने के अनुभव ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों ने इस बदलाव को दिशा दी। पटाखों के इस्तेमाल, समय-सीमा और ग्रीन पटाखों को लेकर नियम बने, लेकिन असली बदलाव परिवारों के फैसलों से आ रहा है। कई घरों में आतिशबाजी के बजाय दीये, रंगोली, फुलझड़ियों और पारिवारिक मेल-मिलाप को प्राथमिकता मिल रही है। कानून पटाखे चलाने का समय तय कर सकता है, मन में संवेदना नहीं जगा सकता। यह काम सामाजिक समझ ही कर सकती है।शांत दिवाली शहरों को वह सुकून लौटा सकती है, जिसे वे विकास की दौड़ में पीछे छोड़ आए हैं। कल्पना कीजिए, जब बुजुर्ग बेखौफ बरामदे में बैठे हों, अस्पताल के पास रहने वाला मरीज चैन से सो रहा हो, बच्चे दादा-दादी की कहानियाँ सुन रहे हों और पालतू जानवर धमाकों से घबराकर न छिप रहे हों। पड़ोस से हँसी सुनाई दे और बातचीत के लिए आवाज ऊँची न करनी पड़े। यह दृश्य किसी बड़े आयोजन से कम उत्सवपूर्ण नहीं। यहाँ किसी की खुशी दूसरे की परेशानी नहीं बनती। चुप्पी नीरसता नहीं, बल्कि रिश्तों की आवाज सुनने का अवसर है। दीये, घरों की रौनक और अपनों का साथ ही अपने आप में पूरा उत्सव हैं। आखिर दिवाली प्रकाश का पर्व है, पटाखों का शोर उसकी पहचान नहीं।

फिर भी इस बदलाव की राह आसान नहीं है। पटाखों का कारोबार, बाजार का दबाव, बच्चों का आकर्षण और पुरानी आदतें लोगों को पुराने ढर्रे पर लौटाती हैं। कई इलाकों में तय समय-सीमा के बावजूद देर रात तक आतिशबाजी होती है। कुछ लोगों को लगता है कि पटाखों के बिना दिवाली का उत्साह फीका पड़ जाएगा। लेकिन परंपरा का उद्देश्य लोगों को जोड़ना है, डराना नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन तभी संभव है, जब नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझें। मोहल्लों की सामूहिक पहल, परिवारों के छोटे फैसले और बच्चों में संवेदनशीलता जगाने के प्रयास इस बदलाव को स्थायी बना सकते हैं। 'साइलेंट दिवाली' अभी हर घर की पसंद नहीं बनी है, लेकिन इसकी स्वीकार्यता बढ़ रही है।दिवाली की सार्थकता धमाकों में नहीं, उन चेहरों की मुस्कान में है, जिन्हें इस रात सुकून मिले। त्योहार की खुशी दूसरों की शांति छीनकर नहीं, उन्हें साथ लेकर मनाने में है। एक दीया जलाने के लिए किसी के घर की नींद बुझाना जरूरी नहीं।

'साइलेंट दिवाली' केवल पटाखों से दूरी नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदना और जिम्मेदारी का संकल्प है। शहरों को तय करना है कि उनकी पहचान धमाकों से बनेगी या ऐसी संवेदनशीलता से, जिसमें मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों के लिए भी जगह हो। रोशनी का पर्व तभी सार्थक है, जब उसकी चमक भय नहीं, सुकून फैलाए। दीये हर साल जलते हैं, लेकिन इस बार यदि हमारी खुशी किसी दूसरे के जीवन में भी शांति भर सके, तो वही दिवाली का सबसे सुंदर उपहार होगा।

दंतेवाड़ा के सुदूर 'लावा' गाँव में पहली बार गूंजी टीवी की आवाज, क्रेडा और जिला प्रशासन की अनूठी पहल

धनंजय राठौर, आमना खान

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में विकास का पहिया अब तेजी से घूमने लगा है। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले एक अत्यंत सुदूर और दुर्गम पहाड़ी गाँव लावा में जिला प्रशासन के सहयोग से क्रेडा (क्रेडा) विभाग द्वारा कम्युनिटी सोलर टीवी (सामुदायिक सौर टीवी) की स्थापना की गई है। महज़ 21 परिवारों की आबादी वाले इस छोटे से आदिवासी गाँव के लिए यह किसी ऐतिहासिक क्रांति से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ के ग्रामीणों ने अपने जीवन में पहली बार गाँव के भीतर ही टेलीविज़न स्क्रीन देखी है।

बस्तर के दूरदराज गाँवों तक विकास और खुशहाली पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभूतपूर्व पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के हमारे दूरदराज और अंतिम छोर पर बसे गाँवों तक विकास, शिक्षा, और आधुनिक तकनीक की रोशनी पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब नक्सलवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर हर आदिवासी भाई-बहन के जीवन तक पहुँच रहा है। जब इन सुदूर इलाकों के बच्चे और ग्रामीण पहली बार टीवी स्क्रीन पर देश-दुनिया की खबरें और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखेंगे, तो उनके सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ

बैलाडीला की ऊँची पहाड़ियों के पीछे और घने जंगलों के बीच बसा लावा गाँव भौगोलिक रूप से बेहद अलग-थलग है। किरंदुल के मुख्य लौह-अयस्क खनन क्षेत्र से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव तक पहुँचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क नहीं है। यहाँ के ग्रामीणों को अपनी बुनियादी ज़रूरतों, जैसे राशन दुकान से चावल लाने के लिए आज भी पहाड़ी और पथरीले रास्तों से होकर मीलों पैदल सफर तय करना पड़ता है।

दशकों तक रहा नक्सलवाद का साया

लावा और इसके आसपास का पुरेंगल क्षेत्र दशकों तक घोर नक्सल प्रभावित इलाका रहा है। घने जंगलों और दुर्गम रास्तों का फायदा उठाकर नक्सलियों ने इस क्षेत्र को अपना गढ़ बना रखा था, जिसके कारण कई सालों तक यहाँ न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी पहुँच पाता था और न ही कोई जनप्रतिनिधि। सुरक्षा कारणों से यह गाँव पूरी तरह से आधुनिक दुनिया से कटा हुआ था और यहाँ बुनियादी सुविधाओं का पहुँचना एक सपना बना हुआ था।

सुरक्षा बलों का प्रयास और बदला परिदृश्य

सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन्स और मुस्तैदी के बाद अब इस क्षेत्र में नक्सलवाद का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। जहाँ कभी दहशत का माहौल था, वहाँ अब बदलाव की बयार बह रही है। हाल के दिनों में जिला कलेक्टर और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने खुद इस गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की चौपाल ली। सुरक्षा और विश्वास के इसी माहौल का नतीजा है कि आज प्रशासन सीधे ग्रामीणों के दरवाज़े तक विकास योजनाएँ पहुँचा रहा है।

कम्युनिटी सोलर टीवी से बदलेगी तस्वीर

चूँकि यह गाँव पारंपरिक बिजली ग्रिड से काफी दूर है, इसलिए जिला प्रशासन और क्रेडा (छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) ने यहाँ सौर ऊर्जा का सहारा लिया। गाँव में लगाए गए इस कम्युनिटी सोलर टीवी के जरिए अब निम्नलिखित बदलाव देखने को मिलेंगे।

आधुनिक दुनिया और सूचनाओं से जुड़ाव

दुर्गम पहाड़ी गाँव लावा में टीवी के माध्यम से अब गांव के लोग छत्तीसगढ़, भारत और पूरी दुनिया में हो रही गतिविधियों और खबरों से सीधे जुड़ सकेंगे। इससे ग्रामीणों को सरकार की नई योजनाओं, कृषि तकनीकों और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बारे में आसानी से पता चल सकेगा।

बच्चों के लिए शिक्षाप्रद ज्ञान

गांव के बच्चों को अब टीवी के माध्यम से मनोरंजन के साथ पढ़ाई, ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, जिससे उनकी समझ और सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। सुदूर क्षेत्र में रहने वाले इन बच्चों के लिए स्क्रीन पर देखकर सीखना एक नया और प्रभावी अनुभव होगा।

मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल

कम्युनिटी टीवी होने के कारण गांव के सभी 21 परिवार एक जगह इकट्ठा होकर कार्यक्रम देख सकेंगे। इससे ग्रामीणों के बीच आपसी जुड़ाव और बढ़ेगा। दिनभर खेती और वनोपज इकट्ठा करने की कड़ी मेहनत के बाद, शाम को मनोरंजन के साधन मिलने से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

सौर ऊर्जा का बेहतरीन उपयोग

चूंकि यह इलाका बेहद सुदूर और बिजली की पारंपरिक लाइनों से दूर है, इसलिए सोलर पैनल आधारित टीवी पूरी तरह से आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे बिना बिजली कटौती की चिंता अपना कामकाज कर सकते हैं।

दशकों के अंधेरे और नक्सली खौफ को पीछे छोड़कर लावा गाँव अब सौर ऊर्जा की रोशनी और सूचना तंत्र के जरिए एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। जिला प्रशासन का यह प्रयास साबित करता है कि सरकार की नज़रें बस्तर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति पर भी हैं।

लेखक संयुक्त संचालक, सहायक संचालक, जनसंपर्क हैं



मेष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा आज ज्यादातर काम पूरे हो सकते हैं। आज दोस्तों के साथ कहीं घूमने का कार्यक्रम बना सकते हैं। आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। बड़ा फैसला लेने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। आज बिजनेस में बढ़ोतरी के लिए नए मौके मिल सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन रहने वाला है खास आज आपके रुके हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। इस राशि के जो लोग राजनीति से जुड़े हुए हैं, उन्हें आज किसी बड़ी पार्टी में मनचाहा पद मिल सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा आज आपका व्यक्तित्व देखकर लोग आपसे काफी प्रभावित हो सकते हैं। इस राशि के छात्रों को आज उनकी मेहनत का फल मिल सकता है। आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लग सकता है। आज आप नई योजना बना सकते हैं।

कर्क राशि: परिवार में आएंगी नई खुशियां आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाने वाला है। आज छोटी-मोटी बातों पर अपना समय व्यर्थ न करें। इस राशि के छात्रों को आज उनकी सफलता का कम परिणाम मिलेगा। नए काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह राशि: आज का दिन रहेगा मिला-जुला आज अपने परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने के लिए दिन अच्छा है। आज पैसों को लेकर मन में चिंता बनी रहेगी। आज आपका मन काम में कम लगेगा। आज जीवनसाथी के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं।

कन्या राशि: आज किस्मत का मिलेगा पूरा साथ आज के दिन तकदीर का पूरा साथ मिलेगा। आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। अगर आप अपनी सोच को सकारात्मक रखेंगे, तो जल्द ही इसके बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आज दोस्तों के साथ मन की बात साझा करके आपको अच्छा महसूस होगा। आज अपनी इच्छाओं को पूरा करने का मौका मिलेगा। आज आपके मन में किसी बात को लेकर उत्सुकता बनी रहेगी। आपका दिन बहुत अच्छा बीतेगा। आपके अंदर कॉन्फिडेंस बना रहेगा।

तुला राशि: आज दिन में आएंगे उतार-चढ़ाव आज आपका दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार में आ रही परेशानियों के समाधान के लिए आज किसी खास व्यक्ति से सहयोग प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक राशि: खुशियां लेकर आया है दिन अगर आपके मन में कोई योजना चल रही है, तो उस पर काम करने के लिए आज का दिन बेहतर है। आज दोस्तों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। आज आपको कुछ रोचक जानकारी मिलेगी। ऑफिस में आज उत्साहजनक स्थिति बन सकती है।

धनु राशि: मेहनत का मिल सकता है दोगुना फल आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, उसका दोगुना फल आपको मिल सकता है। आज कार्यक्षेत्र में कुछ विशेष काम करेंगे, जिससे आपको काफी धन लाभ होगा। इस राशि के छात्रों की बंद किस्मत का ताला आज खुल जाएगा।

मकर राशि: आज का दिन रहेगा ठीक-ठाक इस राशि के छात्र आज खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जिससे आप तंदुरुस्त बने रहेंगे। आज जीवनसाथी की छोटी-मोटी गलतियों को नजर अंदाज करें। आज कॉन्फिडेंस अधिक रहेगा, लेकिन इसका गलत फायदा न उठाएं। आज किसी से बहस करने से बचें। आज धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ राशि: एक के बाद एक मिलेंगी अच्छी खबरें आज एक के बाद एक अच्छी खबरें मिलेंगी। आज अचानक कुछ नए स्रोतों से धन प्राप्त होने का योग बन रहा है। आज चारों तरफ खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के छात्रों को आज तरक्की के लिए कई नए विकल्प मिलेंगे।

मीन राशि: परिवार में बना रहेगा खुशी का माहौल आज परिवार और मित्रों को समय देने से हर्ष में वृद्धि होगी। आज जीवनसाथी के सहयोग से जरूरी काम बन सकते हैं। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा। आज किसी मांगलिक कार्य के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में आज किसी सहकर्मी से आपकी दोस्ती हो सकती है।

पीएम-सेतुः भारत के आईटीआई में बदलाव का एक वर्ष

पीएम-सेतु का उद्देश्य हब-एंड-स्पोक मॉडल और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से 1,000 सरकारी आईटीआई का अत्याधुनिकरण करना है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों के माध्यम से पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने का भी प्रावधान है। रणनीतिक निवेश योजनाओं, विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) और एंकर इंडस्ट्री पार्टनर्स के माध्यम से उद्योग की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस योजना में उभरती प्रौद्योगिकियों और व्यवसायों से संबंधित नए दौर के पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। चयनित एनएसटीआई में उन्नत कौशल प्रशिक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां भी सहयोग प्रदान कर रही हैं। राज्य स्तरीय संचालन समितियों और उद्योग की भागीदारी के माध्यम से राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके कार्यान्वयन का भी विस्तार किया गया है। एक वर्ष की प्रगति के तहत 850 आईटीआई की पहचान और 14 आईटीआई क्लस्टरों को मंजूरी शामिल है। प्रस्तावित कौशल प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव के अवसरों को और बढ़ाएंगी।

कुशल कार्यबल के लिए आईटीआई में बदलाव

भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) देश के व्यावसायिक प्रशिक्षण तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये युवाओं को रोजगार और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे कार्यबल की आवश्यकताएं बदल रही हैं, वैसे-वैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और उद्योगोन्मुखी स्वरूप को मजबूत करना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

इसी पृष्ठभूमि में, पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई) को 4 अक्टूबर 2025 को शुरू किया गया। यह योजना सरकारी आईटीआई को आधुनिक और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण संस्थानों में परिवर्तित करके व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाती है। इस पहल का उद्देश्य उद्योग-नेतृत्व वाले शासन को मजबूत करना, प्रशिक्षण अवसंरचना का उन्नयन करना और कार्यबल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप मांग-आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है। योजना का कुल परिव्यय 60,000 करोड़ है, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 30,000 करोड़ रुपये, राज्यों की ओर से 20,000 करोड़ रुपये और उद्योग की ओर से 10,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह योजना 4 अक्टूबर 2026 को एक वर्ष पूरा कर रही है।

आईटीआईः कुशल कार्यबल की नींव तैयार करना

आईटीआई युवाओं को रोजगार और उद्योग के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस करने हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत सरकारी और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ट्रेड के आधार पर पाठ्यक्रम की अवधि छह महीने से दो वर्ष तक होती है। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के विकास और समन्वय के लिए जिम्मेदार शीर्ष संगठन है। इसके कार्यों में नीतियों, मानदंडों और मानकों का निर्धारण, पाठ्यक्रम विकास, संबद्धता, अनुदेशक प्रशिक्षण और ट्रेड परीक्षण शामिल हैं। आईटीआई राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अधीन हैं।

देश में सरकारी और निजी आईटीआई सहित आईटीआई की कुल संख्या 2014 में 9,776 से बढ़कर 2026 में 13,888 हो गई है, जो 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसके अलावा, देशभर के आईटीआई में नामांकन शैक्षणिक सत्र 2014 15 में 9.51 लाख से बढ़कर शैक्षणिक सत्र 2025 26 में 14.70 लाख हो गया है, जो 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

विस्तारित होता यह नेटवर्क व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में कौशल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप इसे ढालने के लिए एक व्यापक संस्थागत आधार प्रदान करता है।

पीएम-सेतु किस प्रकार आईटीआई में बदलाव ला रहा है

पीएम-सेतु बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, उद्योग की भागीदारी और नए दौर के प्रशिक्षण को एक साथ लाकर व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करता है। यह परिवर्तन दो अलग-अलग घटकों पर आधारित है, जिसमें पहला घटक सरकारी आईटीआई पर और दूसरा राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) पर केन्द्रित है।

घटक-1 में 1,000 सरकारी आईटीआई शामिल हैं, जिनमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई हैं। इन संस्थानों का आधुनिक बुनियादी ढांचे और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण के साथ हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रत्येक हब औसतन चार स्पोक से जुड़ा है, जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक ट्रेडों, डिजिटल शिक्षण प्रणालियों और इनक्यूबेशन सुविधाओं तक साझा पहुंच संभव हो रही है।

हब में नवाचार केन्द्र, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए बुनियादी ढांचा, उत्पादन इकाइयां और प्लेसमेंट सेवाओं जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। स्पोक प्रशिक्षण तक पहुंच का विस्तार करते हैं और शिक्षार्थियों को अपने-अपने क्लस्टरों में उपलब्ध संसाधनों से जोड़ते हैं।

यह मॉडल स्मार्ट कक्षाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं, डिजिटल सामग्री और उद्योग-अनुरूप पाठ्यक्रमों के माध्यम से आईटीआई के उन्नयन में सहायता कर रहा है। घटक-2 भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर और लुधियाना में स्थित 5 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने पर केन्द्रित है। इसमें क्षेत्र-विशिष्ट राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से प्रशिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण शामिल है।

K K

राष्ट्रीय समाचार



शनिवार 07 नवम्बर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बिहार में छठ और दिवाली पर सुरक्षा बढ़ाने के दिए निर्देश

पटना (ए.)। छह नवंबर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को दिवाली, काली पूजा और छठ पर्व के मद्देनजर राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने, चौबीसों घंटे गश्त सुनिश्चित करने और रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों तथा छठ घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यहां वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य के सभी जिलों में पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात करने और आपात स्थितियों से निपटने के लिए सक्रिय त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) गठित करने को कहा। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान दूसरे राज्यों और विदेशों से बिहार लौटने वाले लोगों को सुरक्षित और स्वागतपूर्ण माहौल मिलना चाहिए। चौधरी ने जिलाधिकारियों को सार्वजनिक स्थलों और छठ घाटों पर साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने, पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने, स्थानीय स्वयंसेवकों को शामिल करने और ग्रामीण क्षेत्रों के घाटों पर तैराकों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने विद्युत सुरक्षा को प्राथमिकता देने और नंगे तारों के इस्तेमाल पर सख्ती से रोक लगाने को भी कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, चौधरी ने अधिकारियों को त्योहारों के दौरान दलित और महादलित बस्तियों का दौरा करने, सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने और वहां के निवासियों के साथ मिलकर पर्व मनाने का निर्देश भी दिया। बयान में कहा गया कि अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर लगाम लगाने के लिए मुख्यमंत्री ने हर स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को वास्तविक शिकायतों पर कार्रवाई करने तथा फर्जी खबरों का अधिकतम चार घंटे के भीतर खंडन करने का निर्देश दिया। विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए चौधरी ने कहा कि कायाकल्प अभियान के तहत संचालित योजनाओं की संख्या दोगुनी कर दी गई है। उन्होंने जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी गांव इस



अभियान से वंचित न रहे। उन्होंने बाढ़ से क्षतिग्रस्त ग्रामीण सड़कों की मरम्मत में भी तेजी लाने का निर्देश दिया। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को उद्योगपतियों के साथ हर महीने बैठक करने, उनकी समस्याओं का समाधान करने, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने तथा निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल को प्रोत्साहित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह 25 नवंबर के बाद विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे, जबकि 16 नवंबर के बाद विकास योजनाओं की विशेष समीक्षा की जाएगी। इस बैठक में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रीति वर्मा ने बताया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए 16,000 प्रशिक्षु पुलिसकर्मियों, 1,500 पीटीसी कर्मियों, होमगार्ड और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) के जवानों सहित अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है। इस बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के अलावा वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। वहीं, प्रमंडलीय आयुक्तों, पुलिस रेंज के अधिकारियों, जिलाधिकारियों और जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया।

अपडेट के बहाने 32 लाख की साइबर ठगी, DHANBAD से युवक गिरफ्तार

लखनऊ (ए.)। छह नवंबर ग्रीन गैस मीटर अपडेट करने के नाम पर व्हाट्सऐप के जरिए मैलवेयर युक्त एपीके फाइल भेजकर करीब 32 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के आरोप में पुलिस ने झारखंड के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। लखनऊ पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि तकनीकी जांच के बाद आरोपी को झारखंड के धनबाद थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया और उसकी पहचान धनबाद निवासी विवेक प्रताप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह मामला तब सामने आया जब पीड़ित कुमुद चंद्र अग्रवाल ने नौ सितंबर को लखनऊ साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, अज्ञात साइबर अपराधियों ने ग्रीन गैस मीटर अपडेट करने के बहाने उन्हें व्हाट्सऐप पर एक एपीके फाइल भेजी थी। इसे डाउनलोड करते ही आरोपियों ने कथित तौर पर उनके मोबाइल फोन का अनधिकृत एक्सेस हासिल कर लिया और बैंकिंग जानकारी का दुरुपयोग कर खाते से करीब 32 लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस के मुताबिक, ठग ग्रीन गैस लिमिटेड (जीजीएल) का प्रतिनिधि बनकर लोगों को मीटर अपडेट कराने का झांसा देते हैं। कंपनी घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की आपूर्ति करती है।

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने वालों की मौज, गोल्ड-सिल्वर के दाम 4,500 रुपए तक गिरे

नई दिल्ली,(आरएनएस)। धनतेरस के मौके पर सोना-चांदी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर है। आज के दिन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। पिछले कुछ दिनों से सोने-चांदी में तेज उतार-चढ़ाव बना हुआ था, लेकिन हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कीमतों में आई नरमी से खरीदारों को अपेक्षाकृत सस्ते भाव पर खरीदारी का मौका मिला है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,44,095 रुपए से शुक्रवार को 1,934 रुपए यानी 1.34 प्रतिशत टूटकर 1,42,161 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में यह 2,651 रुपए यानी 1.83 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं चांदी की कीमतों में कमजोरी और ज्यादा रही। शुरुआती कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 1,87,140 रुपए से 4,555 रुपए यानी 2.43 प्रतिशत फिसलकर 1,82,585 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर तक पहुंच गई। जबकि यह आज 1,641 रुपए यानी 0.87 प्रतिशत गिरकर 1,85,499 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में भी गुरुवार की तेजी के बाद शुक्रवार को मुनाफावसूली देखने को मिली। सोने का भाव 1.51 प्रतिशत गिरकर 4,051.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखाई दिया, जबकि चांदी 2.13 प्रतिशत टूटकर 51.260 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के खूंटी में सात लोगों की मौत पर जताया दुख, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के खूंटी जिले में एक सड़क दुर्घटना के दौरान सात लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि झारखंड के खूंटी में हुए हादसे में लोगों की जान जाने से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। यह घटना झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 10 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, कर्रा-तोरपा मुख्य सड़क पर जोने-लुदरू मोड़ के पास एक स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। स्कूटी सवार की मदद के लिए आसपास के ग्रामीण सड़क किनारे जुटे थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे 18 पहिए वाले ट्रेलर-ट्रक ने वहां मौजूद लोगों को कुचल दिया था।

हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 12 वर्षीय एक बच्चे ने खूंटी सदर अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। इस दुर्घटना में एक बच्ची घायल हुई है। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने कर्रा रेलवे फाटक के पास सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

इस घटना पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी दुख जताया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि खूंटी के कर्रा में सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत की खबर से उनका मन व्यथित है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने मारांग बुरु से दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

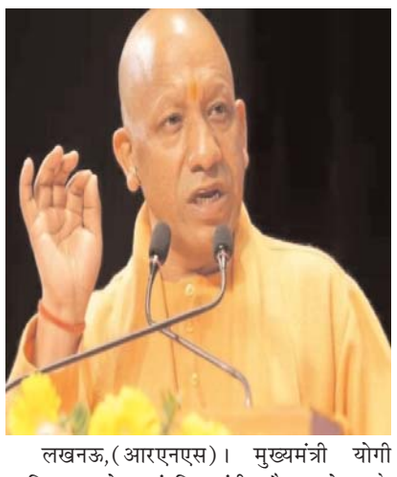
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चुनाव में भारत के लिए शांति स्थापना को प्राथमिकता बनाना

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारत ने कहा है कि सुरक्षा परिषद में चुनाव लड़ने के दौरान शांति स्थापना (पीसकीपिंग) को मजबूत करना उसकी प्राथमिकता है। इसके साथ ही, भारत ने शांति अभियानों को सुदृढ़ करने और शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता जताई है। भारत के मिशन में सैन्य सलाहकार कर्नल तरुणेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को कहा, हम शांति स्थापना (पीसकीपिंग) को इस संस्था के मुख्य उद्देश्य के लिए अपरिहार्य मानते हैं। यही कारण है कि भारत ने 2028-29 के कार्यकाल के लिए सुरक्षा परिषद में अपनी उम्मीदवारी के लिए इसे एक प्राथमिकता के रूप में चुना है। इस कार्यकाल के लिए परिषद के चुनाव अगले साल होंगे।

उन्होंने कहा, हम संयुक्त राष्ट्र की शांति स्थापना प्रक्रिया और एक ऐसे शांति स्थापना ढांचे के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हैं, जिसमें बेहतर संसाधन, बेहतर सुरक्षा और जो उस दुनिया का अधिक बेहतर प्रतिनिधित्व करता हो, जिसकी वह सेवा करता है।

उन्होंने बताया, भारत ने 50 मिशनों में 3,00,000 से अधिक सैनिक तैनात किए हैं, जो हमें अब तक का सबसे बड़ा सैन्य योगदानकर्ता बनाता है।सिंह ने महासभा की चौथी समिति में शांति स्थापना अभियानों की व्यापक समीक्षा पर आयोजित वार्षिक बहस के दौरान यह बात कही। यह समिति विशेष राजनीतिक मामलों और उपनिवेशवाद-समाप्ति (डिकोलोनाइजेशन) से जुड़े मुद्दों को देखती है।उन्होंने याद दिलाया कि जब भारत पिछली बार सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष था, तब उसने शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन पर हमला करने वालों को न्याय के कटघरे में लाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई थी।

मुख्यमंत्री योगी की अपील : इस धनतेरस ओडीओपी उत्पादों को बनाएं उपहार, मनाएं लोकल वाली दिवाली



लखनऊ,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धन्वंतरि जयंती और धनतेरस के अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की है कि अपने उत्सव के उल्लास में उन कर्मठ कारीगरों और शिल्पकारों को भी सहभागी बनाएं, जिनकी कला और अनवरत साधना हमारी सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी समृद्ध कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के विजन को आत्मसात करते हुए इस धनतेरस ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) उत्पादों को ही उपहार स्वरूप चुनें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, धनतेरस का पावन पर्व समृद्धि, शुभता और मंगल का प्रतीक है।

इस पावन अवसर पर अपने उत्सव के उल्लास में प्रदेश के उन कर्मठ कारीगरों और शिल्पकारों को भी सहभागी बनाएं, जिनकी कला और अनवरत साधना हमारी सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी समृद्ध कर रही है। उन्होंने कहा कि भदोही के विश्वप्रसिद्ध कालीन, प्रयागराज का मूंज शिल्प, मैनपुरी की तारकशी और चित्रकूट के काष्ठ खिलौने उत्तर प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। प्रदेश का निर्यात वर्ष 2016-17 के 84 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 2 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचना हमारे शिल्पकारों-दस्तकारों की उद्यमशीलता और सामर्थ्य का प्रमाण है।सीएम ने कहा कि लखनऊ और ग्रेटर नोएडा के आधुनिक एक्सपो मार्ट तथा भदोही का 'कार्पेट बाजार' प्रदेश के पारम्परिक शिल्पों को आज वैश्विक मंचों पर नई पहचान दिला रहे हैं।

कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में लगी आग, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

राजपुरा,(आरएनएस)। पंजाब के राजपुरा में सराय बंजारा के पास शुक्रवार को अमृतसर से पश्चिम बंगाल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन के चार डिब्बों में अचानक आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के डिब्बों से धुआं निकलता देख यात्रियों में दहशत फैल गई। एहतियात के तौर पर ट्रेन को राजपुरा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, ट्रेन के इंजन से पांचवें डिब्बे तक धुआं निकलता दिखाई दिया। इसके बाद रेलवे प्रशासन को घटना की सूचना दी गई और अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को सतर्क किया गया। बताया जा रहा है कि सराय बंजारा क्षेत्र के पास ट्रेन के चार डिब्बे आग की चपेट में आ गए। घटना के बाद ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। कई यात्रियों ने अपना सामान लेकर डिब्बों से बाहर निकलने की कोशिश की। कुछ यात्रियों के आग की चपेट में आने की भी सूचना है। हालांकि, अभी तक घायलों की संख्या और संभावित जनहानि को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।



उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित उप-राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और उनके परिवार का स्वागत किया और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

जेएसएससी नियुक्तियां रद्द करने के झारखंड सरकार का आदेश हाईकोर्ट ने किया निरस्त, गड़बड़ियों की जांच जारी रहेगी

रांची,(आरएनएस)। झारखंड हाईकोर्ट ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा और इसके आधार पर हुई नियुक्तियों को रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने सफल अभ्यर्थियों की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। इससे सीजीएल के जरिए चयनित और नियुक्त अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है। हालांकि, परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच जारी रहेगी। राज्य सरकार ने सीआईडी की जांच रिपोर्ट और अभ्यर्थियों के आंदोलन का हवाला देते हुए 18 अगस्त 2026 को सीजीएल सहित कुछ भर्ती परीक्षाओं और उनके आधार पर हुई नियुक्तियों को रद्द करने का आदेश जारी किया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए सफल अभ्यर्थी आकाश गौरव और अन्य ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल की थीं। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि कथित गड़बड़ी में शामिल लोगों की पहचान की जा सकती है। ऐसे में कुछ अभ्यर्थियों की कथित गलतियों के लिए पूरी चयन प्रक्रिया और सभी नियुक्तियों को रद्द करना उचित नहीं है। राज्य सरकार ने अदालत में सीलबंद रिपोर्ट सौंपकर भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और व्यवस्था की विफलता का पक्ष रखा था।दूसरी ओर, अदालत ने सुनवाई के दौरान इस बात पर विचार किया कि कथित गड़बड़ियों के आधार पर सभी चयनित अभ्यर्थियों को एक साथ दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस मामले में हाईकोर्ट ने 8 अक्टूबर को सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अजमेर के नसीराबाद रोड पर भीषण सड़क हादसा : अनियंत्रित होकर दो बार पलटी तेज रफ्तार कार, खिड़कियों से कूदकर बची यात्रियों की जान

अजमेर,(आरएनएस)। नसीराबाद रोड स्थित आदर्श नगर क्षेत्र में डीएवी शताब्दी स्कूल के सामने देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर भीषण हादसे का शिकार हो गई। अत्यधिक गति के कारण वाहन सड़क पर दो बार पलटा खाते हुए डिवाइडर से टकरा गया और बीच सड़क पर पलट गया। हादसे के तुरंत बाद कार सवार यात्रियों ने सूझबूझ का परिचय दिया और खिड़कियों के रास्ते बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। समय रहते बाहर निकलने के कारण बड़ा जानी नुकसान टल गया, हालांकि यात्रियों को चोटें आई हैं। **तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह, मची अफरा-तफरी**

संतुलन बिगड़ा: स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देर रात सड़क खाली होने की वजह से कार की गति काफी अधिक थी। अचानक संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ।

स्थानीय लोगों ने की मदद: जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग और राहगीर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और कार सवारों को सुरक्षित बाहर निकालने व प्राथमिक मदद में जुट गए।

यातायात बहाल: सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को हटवाकर मार्ग पर यातायात सुचारू कराया।

राहुल गांधी अपनी विफलताओं के लिए भाजपा को ठहरा रहे जिम्मेदार : अनुराग ठाकुर

हमीरपुर,(आरएनएस)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी राहुल गांधी की पार्टी को चुनावी हार का सामना करना पड़ता है तो वे लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनाव प्रक्रिया पर ही सवाल उठाने लगते हैं। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर शहर में भारतीय जनता पार्टी के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत आयोजित जनसंपर्क मार्च में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व जनता के जनादेश को स्वीकार करने के बजाय भ्रम पैदा करने और चुनावी प्रणाली में जनता के भरोसे को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत संसदीय क्षेत्र-स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन से हुई, जिसमें राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल और हमीरपुर के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर शामिल हुए।

दोनों नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। हमीरपुर, बिलासपुर, ऊना, देहरा, धर्मपुर और अन्य क्षेत्रों के कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस जनसंपर्क मार्च में हिस्सा लिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद बिहार और केरल में हुए चुनावों का जिक्र करते हुए अनुराग ठाकुर ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) और चुनावी नतीजों को लेकर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाए।

उन्होंने पूछा कि अगर ईवीएम आधारित चुनावों को लेकर कांग्रेस के आरोपों को सच मान लिया जाए तो क्या चुनावी हार के बाद केरल के मुख्यमंत्री से भी इस्तीफे की उम्मीद की जाएगी?



उन्होंने कांग्रेस को चुनौती दी कि वह स्पष्ट करे कि क्या उसके आरोप सही हैं, या फिर कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों को चुनावी जनादेश का सम्मान करना चाहिए। छात्र राजनीति में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन का जिक्र करते हुए ठाकुर ने चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी और दिल्ली की दिल्ली यूनिवर्सिटी में पार्टी के छात्र विंग को मिली चुनावी हार की ओर भी इशारा किया। उन्होंने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे आत्ममंथन करने के बजाय, पार्टी की संगठनात्मक कमियों और राजनीतिक विफलताओं की जिम्मेदारी भाजपा पर मढ़ रहे हैं। दिल्ली में कांग्रेस की रैली पर तंज कसते हुए ठाकुर ने कहा कि लगभग 10 लाख लोगों को जुटाने के दावों के बावजूद, वहां पहुंचने वालों की संख्या उम्मीद से कहीं कम थी। उन्होंने कहा कि बार-बार मिल रही चुनावी हार यह दर्शाती है कि जनता ने कांग्रेस की राजनीतिक कार्यशैली को नकार दिया है। उन्होंने आगे कहा कि बिना किसी ठोस सबूत के संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में जनता के भरोसे को कमजोर कर सकता है। ठाकुर ने भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे पार्टी का संदेश हर घर तक पहुंचाएं और कांग्रेस के उस नैरेटिव का जवाब दें, जिसे उन्होंने गुमराह करने वाला बताया।

गृह मंत्री अमित शाह खुद दिवाली पर प्रदर्शन कर व्यापारियों को कर गए परेशान : अशोक बुवानीवाला

करनाल,(आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ व्यापारी नेता अशोक बुवानीवाला ने करनाल और अंबाला में गृह मंत्री अमित शाह के प्रदर्शन को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमित शाह कांग्रेस की एक नवंबर की रैली को व्यापारियों के लिए सही नहीं बता रहे थे, लेकिन वे खुद दिल्ली से हरियाणा आकर दिवाली के त्योहार पर प्रदर्शन करके व्यापारियों के लिए परेशानी खड़ी करके गए हैं। 24 घंटे पहले ही बाजारों में सुरक्षा के नाम पर व्यापारियों को परेशान किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भाजपा को काँग्रेस की एक नवंबर की रैली से परहेज था। व्यापारियों को परेशानी के नाम पर रैली रद्द कराने की बातें कहलवाई जा रही थी। इनकी अपनी रैली क्या जायज है। हकीकत तो यह है कि कांग्रेस की रैली से बोखलाहट में बीजेपी आ गई हे। ये रैली के नाम पर अराजकता फैला रहे हैं। सिक्योरिटी वालों ने 24 घंटे पहले वहां पर शहर को बंधक बनाने जैसा काम किया। अशोक बुवानीवाला ने कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र अब देश के सामने आ गया है। जब कांग्रेस लोकतंत्र बचाने के लिए, वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाती है तो उसे व्यापारियों का नुकसान बताया जाता है, बाजार बंद होने की दुहाई दी जाती है।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय रेल मंत्री ने जनसभा को किया संबोधित और पदयात्रा में हुए शामिल

जयपुर ,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत जनसभा को संबोधित किया तथा त्रिपोलिया गेट तक आयोजित पदयात्रा में शामिल हुए और आमजन से लोकतंत्र बचाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस को लोकतंत्र की बात करने से पहले अपने कर्मों का जवाब देना चाहिए। वर्ष 1975 में देश पर आपातकाल थोपकर इन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया था। उस दौरान लोकतंत्र सेनानियों को महीनों तक जेलों में रहना पड़ा और उनके परिवारों ने भी भारी पीड़ा और यातनाएं झेलीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए अनेक स्थानों पर सरकारों को बर्खास्त करने का काम किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपने आचरण से सभी को लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करना सिखाया। एक वोट से उनकी सरकार गिरने के बावजूद उन्होंने संसद में लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंपा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए भी लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्थाओं का सम्मान किया, लेकिन आज कांग्रेस सेना, निर्वाचन आयोग, सर्वोच्च न्यायालय, ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाकर उनकी विश्वसनीयता पर प्रहार कर रही है।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के बाद रुबियो और हेगसेथ को लेकर घिरे ट्रंप, महाभियोग की संभावना

वाशिंगटन(ए.) । अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स के सामने हार का मुंह देखने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अजीबोगरीब मुसीबत से घिर गए हैं। उनकी कैबिनेट के 2 सबसे खास सदस्य विदेश सचिव मार्को रुबियो और युद्ध सचिव (पूर्व में रक्षा) पीट हेगसेथ सवारों के घेरे में हैं और उनके महाभियोग की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जल्द ही दोनों पदों पर नए सचिव दिखाई देंगे। हालांकि, व्हाइट हाउस ने ऐसी अटकलों को खारिज कर दिया है।ईरान युद्ध और ट्रंप की विदेश नीति को इस हार का बड़ा कारण बताया जा रहा है, जिससे अमेरिका में महंगाई बढ़ी और लोगों को जीवनयापन में संकट का सामना करना पड़ा।ईरान युद्ध के दौरान पेंटागन से लगातार बड़े-बड़े सैन्य अधिकारियों के इस्तीफे से हेगसेथ की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आई।इस बीच, एक रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने उनके खिलाफ महाभियोग की धमकी दी है। उनका कहना है कि ट्रंप को रुबियो को भी बदलना चाहिए।हेगसेथ को रिपब्लिकन और प्रशासन के अंदर के लोग उन्हें चुनावी हार के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, खासकर ईरान संघर्ष से निपटने के उनके तरीके को लेकर।यह दबाव तब आया है जब ट्रंप ने अपने हेगसेथ का सार्वजनिक तौर पर बचाव किया है। ट्रंप ने माना कि उन्हें हेगसेथ को लेकर दबाव आया है, लेकिन उनका इरादा उन्हें बनाए रखने का था।ट्रंप ने वेनेजुएला के और ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान के लिए हेगसेथ की तारीफ की।पिछले दिनों खबर आई कि ट्रंप प्रशासन ने रुबियो की जगह नए विदेश सचिव की खोज शुरू कर दी है, जिसमें सबसे पहला नाम भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर हैं।कुछ का कहना है कि रुबियो 2028 की राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के कारण पद छोड़ सकते हैं।

पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने इस्तीफा दिया, बैंक के डूबने से खड़ा हुआ राजनीतिक संकट

असुनसियोन(ए.) । दक्षिण अमेरिकी देश पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने इस्तीफा दे दिया है। पेना ने यह ऐलान उनसे जुड़े एक बैंक के डूबने से पैदा हुए राजनीतिक संकट के बाद किया है। संकट के केंद्र में यूनो बैंक है, जो पेना के राज में कुछ ही सालों में एक अनजान डिजिटल बैंक से देश के सबसे बड़े डिजिटल लेंडर्स में से एक बन गया। बैंक दावा करता है कि पैराग्वे की लगभग 60 प्रतिशत एडल्ट आबादी उसके ग्राहक हैं।

पेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में कहा, अगर मैं किसी भी पॉइंट पर फेल हुआ हूं तो मैं लोगों से माफी मांगना चाहता हूं। आपने मुझ पर जो भरोसा दिखाया है, उसे धोखा देने का मेरा कोई इरादा नहीं था।

पेना ने अपनी ही कंजर्वेटिव कोलोराडो पार्टी में समर्थन खोने के बाद, सांसदों के महाभियोग की कार्रवाई शुरू करने से कुछ घंटे पहले ही पद छोड़ दिया।

पेना महाभियोग की कार्रवाई के लिए सीनेट में पेश होंगे।

यूनो एक खास फिनटेक से बढ़कर एक मिड-साइज बैंक बन गया था, जो 60 लाख लोगों के देश में लगभग 30 लाख ग्राहकों को सेवा देता था।

इसने लगभग 85 करोड़ डॉलर (करीब 8,035 करोड़ रुपये) के पब्लिक फंड को भी मैनेज किया, जिसमें सरकारी संस्थानों और पेंशन से जुड़ा पैसा भी शामिल था।इसके बंद होने से अकाउंट एक्सेस नहीं हो रहा, जिससे राजनीतिक दबाव बढ़ा। पैराग्वे के लोग बचत-भुगतान और फायदों के लिए इसी बैंक पर निर्भर थे। यह उथल-पुथल तब शुरू हुई जब पैराग्वे के सेंट्रल बैंक ने यूनो में दखल दिया और कहा कि तेज़ी से बढ़ते डिजिटल बैंक ने न्यूनतम सॉल्वेंसी जरूरतों को तोड़ा है।

ईरान ने अमेरिका को नया युद्धविराम प्रस्ताव भेजा, ट्रंप बोले-नए हमले के लिए तैयार

तेहरान/वाशिंगटन,(ए.) । अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की हार के बाद ईरान युद्ध को लेकर अनिश्चितता का माहौल है। इस बीच ट्रंप ने ईरान को नई धमकी दी है। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान में संभावित अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, और अमेरिकी सेना पहले की तुलना में कहीं अधिक हथियार बना रही हैं। इस बीच, ईरान का एक नया युद्धविराम प्रस्ताव भी सामने आया है।

ट्रंप ने कहा, हम इस समय अपनी सेना में पहले से कहीं अधिक हथियार बना रहे हैं। अगर हमें ईरान के मामले में आगे की कार्रवाई करनी पड़ी, तो हम पूरी तरह से तैयार हैं। हम फैसला लेंगे। क्या हम और आगे बढ़कर इसे प्रमाणित करना चाहते हैं? प्रमाणित करने का मतलब होगा कि ऐसा दोबारा कभी नहीं होगा। मुझे लगता है कि उन्हें देश के पुनर्निर्माण में 25 साल लगेंगे।

सूत्रों ने एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका को कतर के माध्यम से परमाणु प्रस्ताव भेजा है। इस पर अमेरिका द्वारा ईरान की 7 मांगों को पूरा करने के बाद ही चर्चा की जाएगी।

ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसेन रेजाई ने



हाल ही में कहा था, हमने अमेरिकियों के सामने 7 शर्तें रखी हैं। जब तक वे इन शर्तों को पूरा नहीं करते, हम न तो होर्मुज खोलेंगे और न बातचीत करेंगे।

ईरान की शर्तों की आधिकारिक सूची अभी तक सामने नहीं आई है।

हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान की मांगों में लेबनान सहित सभी क्षेत्रों में युद्ध का अंत, ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को हटाना, ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाना, ईरान की जब्त संपत्तियों को जारी करना, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को कम करना, युद्ध से हुए नुकसाना का मुआवजा देना और ईरान पर अमेरिकी हमलों को खत्म करना शामिल है।हाल ही में हुए मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी हार गई है। इसके बाद ईरान युद्ध को लेकर अनिश्चितता है, क्योंकि संसद के दोनों सदनों में ट्रंप की पार्टी ने बहुमत खो दिया है। खबर तो ये भी है कि ट्रंप के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है।ऐसे में डेमोक्रेटिक पार्टी ईरान युद्ध में हुए खर्च और फैसलों को लेकर सरकार पर हमलावर हो सकती है।

फ्रांस में बड़ा सड़क हादसा: स्कूली बच्चों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त, हादसे में दो छात्रों की मौत; 16 घायल

फ्रांस ,(ए.) । पूर्वी हिस्से में शुक्रवार सुबह स्कूली बच्चों और किशोरों को लेकर जा रही एक इंटरसिटी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में एक नाबालिग और एक युवा की मौत हो गई, जबकि 16 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई गई है। ऐन (Ain) क्षेत्र के प्रशासन ने बताया कि दुर्घटना ल्योन शहर के उत्तर-पूर्व में स्थित छोटे कस्बे लेंट के पास हुई। हादसे की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाओं और पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया। परिवहन मंत्री फिलिप तबारो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि वह गंभीर बस दुर्घटना के बाद घटनास्थल के लिए रवाना हो रहे हैं। समाचार प्रसारक बीएफएम टीवी के मुताबिक, बस में सवार बच्चे और किशोर इलाके के मिडिल और हाई स्कूलों में पढ़ने जा रहे थे। घटनास्थल से सामने आई तस्वीर में बस सड़क से उतरकर एक गहरी खाई में गिरी दिखाई दी। शिक्षा मंत्री एडुआर गेफ्रे ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि जब हमारे विद्यार्थी और बच्चे इस तरह की दुर्घटना का शिकार होते हैं, तो यह बेहद दुखद क्षण होता है। उन्होंने कहा कि सरकार और शिक्षा जगत की संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

इजरायल में नए प्रधानमंत्री बन सकते हैं आइजनकोट, 120 में से 67 की सिफारिश



यरूशलम,(ए.) । इजरायल को अपना नया प्रधानमंत्री 10 दिन के अंदर मिल जाएगा। इजरायली राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग का कहना है कि वह रविवार तक नए प्रधानमंत्री को काम सौंप देंगे।रिपोर्ट के मुताबिक, याशर नेता गादी आइजेनकोट को नेसेट (संसद) के अधिकतर सदस्यों का प्रधानमंत्री बनने के लिए समर्थन मिला है। आइजनकोट को समर्थन करने से पहले पार्टियों ने राष्ट्रपति हर्जोग से सलाह ली थी। इस बैठक के बाद हर्जोग ने पार्टियों के समर्थन की घोषणा की।पार्टियों के साथ बैठक के बाद राष्ट्रपति हर्जोग ने कहा कि कुल 67 सांसदों के समूह ने आइजेनकोट का समर्थन किया है, जबकि कुल 46 सांसदों के समूह ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सिफारिश की है।हर्जोग ने बताया कि नतीजा पूरी तरह साफ है, लेकिन रविवार को सरकार बनाने का आदेश देने से पहले वह स्थिति साफ करने के लिए पार्टी नेताओं के साथ और बातचीत करेंगे।

याशर ने हर्जोग से आइजेनकोट को जल्दी काम सौंपने का आग्रह किया।

इजरायल के 67 सांसदों के समर्थन के बाद भी आइजेनकोट का गठबंधन बनाने का रास्ता साफ नहीं है।

बता दें कि नेतन्याहू विरोधी पार्टियां 48 सदस्यों वाले, 4 पार्टियों वाले यहूदी रूप और 19 सदस्यों वाले 2 अरब पार्टियों के समूह में बंटी हुई हैं।

इन सभी 6 पार्टियों ने आइजेनकोट को प्रधानमंत्री बनाने की सिफ़ारिश की थी, लेकिन यहूदी पार्टियों में से 3 ने अब तक अरब पार्टियों के साथ पार्टनरशिप करने से मना कर दिया है।

पाकिस्तान में बस और डंपर की भीषण टक्कर, 8 लोगों की मौत और 30 घायल, चार की हालत गंभीर

इस्लामाबाद(ए.) । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया. एबटाबाद जिले में हजारा मोटरवे पर हावेलियन इंटरचेंज के पास यात्रियों से भरी बस और डंपर ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई. हादसे में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 30 अन्य घायल हो गए. घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं. चार घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक, यात्री बस पाकिस्तान के उत्तरी शहर गिलगित से रावलपिंडी की ओर जा रही थी. इसी दौरान हावेलियन इंटरचेंज के पास बस की डंपर ट्रक से टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस को काफी नुकसान पहुंचा और कई यात्री घायल हो गए. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस का टायर फटने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस डंपर से जा टकराई. हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी. हादसे की सूचना मिलते ही रेस्क्यू 1122 की टीम मौके पर पहुंची. बचाव अभियान के लिए सात एंबुलेंस और एक रेस्क्यू वाहन तैनात किया गया. राहतकर्मियों ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल पहुंचाया. सभी 30 घायलों को एबटाबाद के अयूब मेडिकल कॉम्प्लेक्स में भर्ती कराया गया है.

मनोरंजन

जान्हवी कपूर का बर्फीले पहाड़ों में शूटिंग का अनुभव, नए प्रोजेक्ट का दिया बड़ा हिंट



बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपने हालिया छायांकन की कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें प्रशंसकों के साथ साझा की हैं। हालांकि, उन्होंने इस छायांकन के स्थान और इससे जुड़े आगामी प्रकल्प के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन तस्वीरों में नजर आ रहा बर्फ से ढका मनमोहक प्राकृतिक दृश्य लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

इन तस्वीरों में जान्हवी बेहद खूबसूरत अंदाज में नजर आ रही हैं। सपनों जैसे प्राकृतिक परिवेश और बर्फीली वादियों के बीच उनकी दिलकश अदाएं तस्वीरों की खूबसूरती को और बढ़ा रही हैं। अभिनेत्री ने अपने इस अनुभव को साझा करते हुए लिखा, मैं अभी भी ठंड से सुन्न हूं, लेकिन हमने जो छायांकन किया है, उसे लेकर मैं अंदर से बहुत खुश और गर्म महसूस कर रही हूं।

जान्हवी ने हालांकि इस आगामी परियोजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उनकी बर्फीली वादियों की ये तस्वीरें किसी खास परियोजना की ओर संकेत कर रही हैं। ऐसे में प्रशंसकों के बीच यह जानने की उत्सुकता बढ़ गई है कि अभिनेत्री जल्द ही किस नए रूप में पर्दे पर नजर आने वाली हैं।

गौरतलब है कि जान्हवी कपूर इन दिनों अपने व्यस्त कार्यक्षेत्र के चलते लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्हें हाल ही में फिल्म पेड्डी में देखा गया था। अब उनके नए छायांकन और आगामी

शोभिता धुलिपाला ने बताया बाहरी होने का डरावना अनुभव, बोलीं- कोई नहीं था, अकेले लड़ना पड़ा



अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला ने 2016 में अनुराग कश्यप की फिल्म रमन राघव 2.0 से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो शेफ, कालाकांडी, जैसी कई फिल्मों में काम किया। वहीं अब शोभिता ने एक बाहरी व्यक्ति के तौर पर अपने संघर्षों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में बिना किसी मार्गदर्शन के आगे बढ़ना कितना कठिन था।शोभिता ने कहा, जब मैं कॉलेज में थी, तब मैं जीक्यू और वोग जैसी पत्रिकाओं के कवर देखती थी। तब मुझे लगता था कि मेरे जैसी लड़की के लिए ऐसी दुनिया का हिस्सा बनना मुमकिन नहीं है।

ज्यादा तीखा खाने वालों को जरूर जाननी चाहिए ये जरूरी बातें



खाने में मिर्च का इस्तेमाल करना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि मिर्च खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ पाचन को भी ठीक रखती है। हालांकि, अगर आप ज्यादा मिर्च खाने के आदी हैं, तो आपको सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि इससे पेट में जलन और गैस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप खाने में ज्यादा मिर्च डालने की आदत छोड़ सकते हैं।

रोजाना मिर्ची खाने की आदत छोड़ दें

अगर आप रोजाना किसी न किसी सब्जी या फिर किसी व्यंजन में मिर्च का इस्तेमाल करते हैं, तो इस आदत को तुरंत छोड़ दें।

अगर आप इस आदत को छोड़ना चाहते हैं, तो रोजाना मिर्च खाने वाली चीजों को धीरे-धीरे खाना कम करें।

मिर्च का सेवन करते समय पानी पीने से भी बचें क्योंकि इससे मिर्च की तीखापन आपके शरीर में अधिक असर डाल सकता है। यह तरीका आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिर्ची के साथ इन चीजों का भी करें सेवन

अगर आपको रोजाना मिर्ची खाने की आदत है, तो इससे शरीर पर पड़ने वाले बुरे असर को कम करने के लिए रोजाना एक केला और एक गिलास दूध का सेवन करें।

केले और दूध में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो मिर्च खाने से होने वाले नुकसान को कम करने के साथ-साथ पाचन को ठीक रखने में मदद कर सकते हैं। इससे आपको राहत मिल सकती है।

हल्दी के साथ इन चीजों का करें सेवन

हल्दी खाने में तीखापन कम करने के लिए एक अच्छा उपाय है। अगर आप रोजाना मिर्ची खाते हैं, तो इससे शरीर पर पड़ने वाले बुरे असर को कम करने के लिए रोजाना एक चुटकी काली मिर्च के साथ एक चुटकी हल्दी का सेवन करें।ये दोनों चीजें शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद कर सकती हैं। इनका सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

रोजाना प्याज का सेवन करें

प्याज में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने, पाचन को ठीक रखने और खाने में अधिक मिर्च डालने से होने वाले दुष्प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।

इसके अलावा प्याज का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी सहायक हो सकता है।प्याज का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है।

रोजाना दही का सेवन करें

अगर खाने में अधिक मिर्च लग जाती है, तो इससे मुंह में जलन होने लगती है। इस स्थिति में दही का सेवन करना लाभदायक हो सकता है।दही में ऐसे तत्व होते हैं, जो मुंह की जलन को कम करने के साथ-साथ पाचन को ठीक रखने में मदद कर सकते हैं।इसके अलावा दही का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी सहायक हो सकता है।

स्नीकर्स को लंबे समय तक चलाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके



स्नीकर्स आजकल बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। ये आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी होते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सही देखभाल से इन्हें लंबे समय तक कैसे रखा जा सकता है? इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने स्नीकर्स की उम्र बढ़ा सकते हैं और उन्हें नए जैसा बनाए रख सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने स्नीकर्स को लंबे समय तक पहन सकते हैं।

रोजाना स्नीकर्स न पहनें

रोजाना एक ही जोड़ी स्नीकर्स पहनने से उनका आकार और गुणवत्ता बिगड़ सकती है।

हर दिन एक ही जोड़ी पहनने से इनमें नमी और गंदगी जमा हो जाती है, जिससे ये जल्दी खराब हो सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप हर दिन अलग-अलग जोड़ी पहनें और हर जोड़ी को पहनने के बाद कम से कम 24 घंटे का ब्रेक दें। इससे आपके स्नीकर्स को आराम मिलेगा और वे लंबे समय तक नए जैसे दिखेंगे।

सही तरीके से धोएं

स्नीकर्स को धोते समय ध्यान रखें कि उन्हें मशीन में धोने की बजाय हाथों से धोना बेहतर होता है। मशीन में धोने से उनका आकार बिगड़ सकता है और कपड़े फट सकते हैं।

सबसे पहले एक बाल्टी पानी में हल्का साबुन मिलाएं, फिर एक मुलायम ब्रश की मदद से स्नीकर्स को साफ करें।इसके बाद उन्हें हवा में सूखने दें, धूप में नहीं क्योंकि इससे रंग हल्का पड़ सकता है। इस तरह आपके स्नीकर्स लंबे समय तक नए जैसे रहेंगे।

समय-समय पर बदलें इन्सोल

इन्सोल आपके पैरों की थकान को कम करने और आरामदायक अनुभव देने में अहम भूमिका निभाता है।समय-समय पर इन्सोल बदलना जरूरी है ताकि आपके पैरों को सही सपोर्ट मिल सके।अगर आप महसूस करते हैं कि इन्सोल पतला हो गया है या उसमें गंध आने लगी है तो उसे बदल दें।नई इन्सोल लगाने से आपके पैरों को ताजगी मिलेगी और वे आरामदायक महसूस करेंगे। इससे आपके स्नीकर्स की उम्र भी बढ़ेगी।

सही तरीके से स्टोर करें

जब आप अपने स्नीकर्स पहनकर घर आते हैं तो उन्हें हमेशा सही तरीके से रखिए।गीले या गंदे स्नीकर्स को सीधे अलमारी में रखने से उनमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जिससे वे जल्दी खराब हो सकते हैं।बेहतर होगा कि पहले उन्हें साफ करके सूखा लें, फिर किसी हवादार जगह पर रखें ताकि उनमें नमी न रहे। इसके अलावा कभी भी भारी चीजें ऊपर न रखें ताकि उनका आकार बना रहे।

सही आकार बनाए रखें

अगर लंबे समय तक किसी वजह से आप अपने स्नीकर्स नहीं पहनते तो उनका आकार बिगड़ सकता है। इसलिए जब भी आप उन्हें इस्तेमाल न करें तो उनके अंदर कागज या किसी पुराने कपड़े डाल दें ताकि उनका आकार बना रहे।

इस तरह इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपने स्नीकर्स को लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं और उनका पूरा फायदा उठा सकते हैं।

दीवाली त्यौहार में जुआरी सक्रिय, चार जगहों से 11 गिरफ्तार

धमतरी, (आरएनएस)। दीवाली त्यौहार शुरू होते ही क्षेत्र में जुआरी सक्रिय है। शहर व गांवों में शाम ढलते ही



रियों पर शिकंजा कसने पुलिस रात में टीम बनाकर कार्रवाई कर रही है। अर्जुनी पुलिस टीम क्षेत्र के तीन गांवों में दबिश देकर 11 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। अर्जुनी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जुआरियों पर शिकंजा कसने पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम लिमतरा, परेवाडीह एवं कुरमातराई में अलग-अलग चार जगहों पर चल रहे जुआ स्थल पर दबिश देकर 11 जुआरियों को पकड़ा है। जुआरियों से 5520 रुपये नकदी व ताशपत्ती जब्त कर कार्रवाई की है। ग्राम लिमतरा के कलामंच के पास जुआ खेल रहे प्रकाश साहू 32 वर्ष लिमतरा , संजय साहू 31 वर्ष लिमतरा और शिवानंद निर्मलकर 20 वर्ष बिरेतरा निवासी को पकड़ा है। जुआरियों से 1750 रुपये जब्त कर कार्रवाई की है। इसी तरह ग्राम लिमतरा में ही जुआ खेल रहे भूषण लाल बघा 35 वर्ष, टकेश्वर साहू 45 वर्ष निवासी लिमतरा, संदीप कुमार साहू उम्र 25 वर्ष निवासी बिरेतरा, परमेश्वर साहू 40 वर्ष निवासी बिरेतरा को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है। इसी तरह ग्राम परेवाडीह में बडरा तालाब के सामने मेन रोड पर जुआ खेल रहे दुलेश्वर साहू उम्र 40 वर्ष निवासी परेवाडीह, गंधर्व साहू 36 वर्ष निवासी परेवाडीह को पकड़ा है।

दीपावली पर खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच तेज, 22 दुकानों से मिठाइयों के 11 नमूने लिए गए



बलरामपुर, (आरएनएस)। बलरामपुर जिले में दीपावली के दौरान मिलावटी और गुणवत्ताविहीन खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है। जिले के सभी छह विकासखंडों में होटल, ढाबा, मिठाई दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक 22 प्रतिष्ठानों की जांच कर मिठाइयों के 11 नमूने लिए गए हैं, जिन्हें परीक्षण के लिए रायपुर स्थित राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। विभाग की टीम ने बालूशाही, रसगुल्ला, मोतीचूर लड्डू, बेसन लड्डू, जलेबी, खोवा, कलाकंद, चमचम और गुलाबजामुन सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए हैं। इनकी जांच रिपोर्ट मिलने के बाद यदि कोई नमूना अमानक पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठान के संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम और विनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने शुक्रवार को नागरिकों से अपील की है कि दीपावली पर मिठाई और अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय उनकी गुणवत्ता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने लोगों से साफ-सुथरे और विश्वसनीय प्रतिष्ठानों से ही खरीदारी करने तथा किसी भी संदिग्ध या मिलावटी खाद्य पदार्थ की जानकारी विभाग को देने की अपील की है। सीएमएचओ ने खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को भी खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 11 सहबद्ध स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख क्षेत्र के 11 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इनमें तीन डिप्लोमा और आठ स्नातक पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं।

डिप्लोमा स्तर पर एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, डायलिसिस टेक्नोलॉजी तथा मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम शामिल हैं। स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ फिजिशियन एसोसिएट्स, बैचलर ऑफ साइंस हेल्थ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर्स ऑफ डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री तथा बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस शामिल हैं।

इनके माध्यम से विद्यार्थी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्यक्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रमुख कार्यक्षेत्रों में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, चिकित्सा प्रयोगशाला, एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस तथा ऑप्टोमेट्री शामिल हैं।

रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग का कार्यक्षेत्र एक्स-रे, सीटी और एमआरआई जाँच सेवाओं से जुडे क्षेत्र में रोजगार के द्वार खुलेंगे है। चिकित्सा प्रयोगशाला का कार्यक्षेत्र पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं, रक्त बैंकों और शोध प्रयोगशालाओं तक विस्तृत है। इसी प्रकार एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर से संबंधित भूमिकाएँ शल्य कक्ष, गहन चिकित्सा इकाई और आपातकालीन विभाग में होती हैं। डायलिसिस का कार्यक्षेत्र डायलिसिस इकाइयों एवं गुर्दा रोग विभाग तथा ऑप्टोमेट्री का कार्यक्षेत्र नेत्र अस्पतालों, दृष्टि जाँच केंद्रों में रोजगार की संभावना होगी ।

कारोबारी के लग्जरी काफिले के आगे दौड़ी पुलिस की स्कॉर्पियो, वीडियो से उठे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

रायपुर,(आरएनएस)। राजधानी में एक सर्राफा कारोबारी के लग्जरी वाहनों के काफिले के साथ पुलिस की सफेद स्कॉर्पियो चलने का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में कारोबारी कार्तिक गिरि के काफिले के आगे पुलिस वाहन दिखाई दे रहा है। वहीं, काफिले में शामिल कुछ लोग चलती गाड़ियों की खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंट करते नजर आ रहे हैं। इस घटनाक्रम ने पुलिस की कार्यप्रणाली और सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

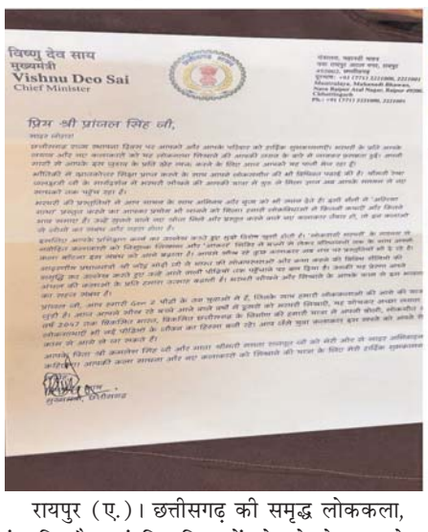
निजी काफिले को पुलिस की पायलटिंग क्यों

वीडियो सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि एक निजी कारोबारी के काफिले के साथ पुलिस वाहन किस आधार पर लगाया गया था। क्या कारोबारी को किसी तरह का सुरक्षा खतरा था? क्या इसके लिए विभाग की ओर से सुरक्षा आकलन किया गया था और सक्षम अधिकारी की अनुमति ली गई थी।

आमतौर पर पुलिस वाहन और जवानों की तैनाती कानून-व्यवस्था, वीआईपी सुरक्षा और अधिकृत सुरक्षा जरूरतों के लिए की जाती है। ऐसे में निजी काफिले के आगे पुलिस वाहन की मौजूदगी ने इसकी आधिकारिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग से यह स्पष्ट करने की अपेक्षा की जा रही है कि संबंधित कारोबारी को किस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। पुलिस वाहन किस अधिकारी के निर्देश पर भेजा गया और क्या इसके लिए कोई लिखित आदेश जारी हुआ था? यदि यह अधिकृत सुरक्षा व्यवस्था थी तो उसका आधार और तैनाती का रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ी लोककला और संस्कृति के संरक्षण में प्रांजल सिंह का योगदान सराहनीय : मुख्यमंत्री साय

जेन जी युवा प्रांजल जैसे कलाकार राज्य की लोकसंस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की मजबूत कड़ी : मुख्यमंत्री


विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री
Vishnu Deo Sai
Chief Minister

प्रिय श्री प्रांजल सिंह जी,





रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, संस्कृति और पारंपरिक विधाओं को सहेजने तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए समर्पित रायपुर के युवा लोककलाकार प्रांजल सिंह राजपूत के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का एक स्नेहिल पत्र असीम प्रेरणा और खुशियों की सौगात लेकर आया है। मुख्यमंत्री द्वारा प्रांजल की कला साधना, शिक्षा और भरथरी लोकगायन के संरक्षण-संवर्धन के प्रयासों की सराहना किए जाने के बाद से युवा कलाकार बेहद गदगद और भावुक हैं। मुख्यमंत्री का पत्र प्राप्त होने पर अपनी खुशी साझा करते हुए प्रांजल सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री की पाती मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद भावुक और गौरव का क्षण है। उन्होंने न केवल मेरी कला को बल्कि मेरी शिक्षा को भी सराहा है। आज उनका पत्र पाकर मेरा मन गदगद हो गया है और यह मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय पल है। मुख्यमंत्री का यह स्नेह और प्रोत्साहन मुझे छत्तीसगढ़ी लोककला को और अधिक समर्पित भाव से आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पत्र में प्रांजल सिंह की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उल्लेख किया है कि उन्होंने भौतिकी में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद लोकसंगीत की विभिन्न विधाओं को जीवंत रखा है। रेखा जलक्षत्री के मार्गदर्शन में भरथरी सीखने की उनकी यह कला यात्रा अब अन्य नवोदित साधकों तक भी पहुंच रही है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष प्रकाश डाला कि प्रांजल अपनी भरथरी प्रस्तुतियों में गायन के साथ-साथ अभिनय और नृत्य को भी बखूबी स्थान देते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने अहिल्या गाथा की शानदार प्रस्तुति के जरिए लोकविधाओं में कई नए और रचनात्मक प्रयोग किए हैं।

मुख्यमंत्री साय ने युवा कलाकार द्वारा किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रांजल लोकगाथा भरथरी के माध्यम से नए कलाकारों को पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके अलावा, आकार शिविर के जरिए बच्चों से लेकर वरिष्ठजनों तक को अपनी कला का ज्ञान बांट रहे हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित कलाकार आज विभिन्न मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां देकर इस सांस्कृतिक थाती को आगे बढ़ा रहे हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की प्राचीन लोकपरंपराओं और कथावाचन की विविध शैलियों को आने वाली पीढ़ियों तक संरक्षित करने के आह्वान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भरथरी सीखने और सिखाने का प्रांजल का यह सत्प्रयास इसी राष्ट्रीय भावना से मजबूती से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रांजल सिंह को जेन जी पीढ़ी के उन होनहार युवाओं में शुमार किया, जिनके कंधों पर छत्तीसगढ़ की लोककलाओं की आगे की गौरवशाली यात्रा टिकी हुई है।

लंबित इंसेंटिव को लेकर सीएचओ का प्रदर्शन, स्वास्थ्य भवन का किया घेराव

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में लंबित प्रोत्साहन राशि और सेवा संबंधी समस्याओं को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। गुरुवार को प्रदेशभर से पहुंचे सैकड़ों सीएचओ ने नवा रायपुर स्थित स्वास्थ्य भवन का घेराव कर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। तूता धरना स्थल पर आयोजित इस आंदोलन में अधिकारियों ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

3-4 साल से भुगतान की समस्या का आरोप

सीएचओ संघ का कहना है कि पिछले 3 से 4 वर्षों से इंसेंटिव भुगतान में लगातार दिक्कतें आ रही हैं। इसके अलावा पिछले 7 से 8 महीनों की प्रोत्साहन राशि भी अब तक नहीं मिली है। संघ ने आरोप लगाया कि राज्य कार्यालय के निर्देशों के बावजूद जिला और ब्लॉक स्तर पर उनका पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे भुगतान में देरी हो रही है।

ये हैं सीएचओ की प्रमुख मांगें

संघ ने इंसेंटिव घोटाले के नाम पर सीएचओ के खिलाफ जारी कथित अनुचित आदेशों को निरस्त या संशोधित करने और लंबित प्रोत्साहन राशि का तत्काल भुगतान करने की मांग की है। इसके साथ ही इंसेंटिव को मूल वेतन में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया है।

अधिकारियों ने उप स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत कर्मचारियों के कार्य-दायित्वों को स्पष्ट करने, सुकमा जिले में पीएलपी पोर्टल के माध्यम से प्रोत्साहन राशि के भुगतान में हुई कथित अनियमितताओं की जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई है।

इसके अलावा हर महीने की 10 तारीख तक प्रोत्साहन राशि के सत्यापन और भुगतान के सरकारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इसमें लापरवाही बरतने वाले जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग शामिल है।

खेल समाचार

क्रिस लिन का एक महीने का निलंबन पूरा, बीबीएल में खेलने को तैयार

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के टी20 विशेषज्ञ क्रिस लिन को कोकीन लेने के मामले में एक महीने का बैन झेलना पड़ा है। इंग्लैंड के क्रिकेट रेगुलेटर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। बैन की अवधि अब पूरी हो चुकी है। बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लिन का 18 जुलाई को इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान रूटीन एंटी-डोपिंग टेस्ट हुआ था। उस समय वह नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स की ओर से खेल रहे थे। टेस्ट में उनका सैंपल पॉजिटिव पाया गया था। क्रिकेट रेगुलेटर ने बयान में कहा, क्रिकेट रेगुलेटर ने नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के पूर्व क्रिकेटर क्रिस लिन को एक महीने के लिए निलंबित किया गया है। निलंबन का समय अब पूरा हो गया है।

36 साल के लिन का कोकीन के मेटाबोलाइट बेंजॉयलेगोनिन के कम लेवल के लिए टेस्ट पॉजिटिव आया था। उन्होंने आरोप स्वीकार कर लिया। जांच में यह माना गया कि यह कॉम्पिटिशन के बाहर इस्तेमाल का मामला था और इसका खेल के प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं था। इसी वजह से उनका बैन तीन महीने की जगह 1 महीने का था।

लिन ने इसके साथ ही नशे की लत से जुड़ा रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम भी पूरा कर लिया है।

दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टी20 और 4 वनडे मैच खेले हैं। वह बिग बैश लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, लिन अगले महीने शुरू होने वाली बिग बैश लीग के नए सीजन के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स में शामिल होने के लिए तैयार थे। बैन पूरा होने के बाद अब उनके इस सीजन में खेलने का रास्ता साफ हो गया है।

लिन से जुड़ा यह मामला खिलाड़ियों के डोपिंग और मैदान के बाहर की जिम्मेदारी पर फिर सवाल खड़े करता है, हालांकि रेगुलेटर ने साफ किया है कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाला मामला नहीं था।

भारत-श्रीलंका के पहले वनडे मैच का बदला वेन्यू, नई दिल्ली की जगह अब विशाखा पट्टनम में खेला जाएगा मुकाबला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले पहले वनडे मैच के वेन्यू में बदलाव किया गया है। नई दिल्ली में होने वाला पहला वनडे मैच अब विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी है। बीसीसीआई ने बताया कि दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अनुरोध पर स्थान (वेन्यू) बदल दिया गया है, ऐसा मौसम की संभावित बाधाओं और स्टेडियम में प्रस्तावित नवीनीकरण कार्यों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। पहले एकदिवसीय मुकाबला अब विशाखापट्टनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका के बीच तीन वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी है। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 13 दिसंबर, जबकि दूसरा मुकाबला 16 दिसंबर को बेंगलुरु में खेला जाना है। वहीं, तीसरा वनडे मैच 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। टी20 सीरीज की शुरुआत 22 दिसंबर से होगी। पहला मुकाबला राजकोट में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच 24 दिसंबर को कटक में खेला जाना है। वहीं, तीसरा टी20 मैच 27 दिसंबर को पुणे में खेला जाना है। भारतीय टीम फिलहाल न्यूजीलैंड के दौरे पर है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज को 3-2 से अपने नाम किया।

दूसरे वनडे पर बारिश का साया! कैसा रहेगा वेलिंगटन का मौसम, कब-कहां और कैसे देखें भारत-न्यूजीलैंड मैच?

वेलिंगटन (आरएनएस)। वेलिंगटन में शुक्रवार को दिन के पहले हिस्से में बारिश हुई, जिसके चलते दोनों टीमों को अपने अभ्यास सत्र की योजना में बदलाव करना पड़ा। दोनों टीमों को हेनरी स्टेडियम की जगह बेसिन रिजर्व में अभ्यास करना था। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम ने अपना अभ्यास सत्र वेलिंगटन कॉलेज की इनडोर सुविधा में आयोजित किया, जबकि भारतीय टीम ने बारिश और परिस्थितियों को देखते हुए अपना अभ्यास सत्र रद्द कर दिया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, शनिवार को दिन के पहले हिस्से में बारिश की 60 प्रतिशत और दूसरे हिस्से में 55 प्रतिशत संभावना है। ऐसे में मुकाबले के दौरान बारिश खलल डाल सकती है और मैच के प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।



भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला वनडे ऑकलैंड में खेला गया था, जिसमें बारिश के कारण मुकाबले का परिणाम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के तहत निकला।

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी।इसके जवाब में भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान बारिश ने दो बार खेल रोका। दूसरी बार बारिश के कारण मुकाबला रुकने पर भारत को 32 ओवर में 143 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।भारतीय टीम ने विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी के दम पर 22.4 ओवर में 5 विकेट खोकर 143 रन बना लिए और मुकाबला पांच विकेट से अपने नाम किया। कोहली ने महज 51 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। वहीं, तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इस दौरान उन्होंने 2 मेडन ओवर भी डाले।

माइकल हसी को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 फॉर्मेट पर होगा फोकस

नई दिल्ली, (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को 2027 एशेज और वनडे विश्व कप के लिए कोचिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। इसके अलावा, हसी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टी20 सलाहकार बनाया है। हसी ने पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ कभी-कभी काम किया है। खासकर वह प्रतिवर्ष पर्थ टेस्ट से पहले एक अतिरिक्त बैटिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ते हैं। वह अपनी कमेंट्री भूमिकाओं और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और द हंड्रेड में वेल्श फायर की कोचिंग टीम का हिस्सा होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए बतौर कोच लंबा समय नहीं दे सके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सीएसके में हसी के साथ काम करने वाले स्टीफन फ्लेमिंग जब न्यूजीलैंड टेस्ट टीम के हेड कोच बने, तो उन्होंने हसी को अपनी कोचिंग टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने स्वीकार नहीं किया था।

हसी कोचिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना कार्य इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से शुरू करेंगे। इसके बाद पर्थ में न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया की मदद करेंगे।

15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी बने बिहार सीनियर टीम के नए कप्तान, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में संभालेंगे कमान

पटना (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए युवा सितारे और विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए वैभव सूर्यवंशी को आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के शुरुआती दो मैचों के लिए 17 सदस्यीय बिहार सीनियर टीम का कप्तान नियुक्त किया है। यह पहला मौका है जब वैभव किसी सीनियर घरेलू टूर्नामेंट में टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे। उनके साथ सूरज कश्यप को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। टूर्नामेंट का आगाज 14 नवंबर से होने जा रहा है, जहां बिहार की टीम अपने अभियान की शुरुआत इंदौर में सौराष्ट्र के खिलाफ करेगी।

ग्रुप-B में शामिल बिहार, दिग्गजों के खिलाफ कड़ा इम्तिहान

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी 2026 में बिहार को कड़े मुकाबले वाले ग्रुप-B में रखा गया है। इस ग्रुप में बिहार के अलावा दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर, रेलवे और सौराष्ट्र जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं। बिहार का पहला मुकाबला 14 नवंबर को सौराष्ट्र के खिलाफ इंदौर के मैदान पर होगा। एसोसिएशन ने फिलहाल शुरुआती दो मुकाबलों के लिए वैभव सूर्यवंशी को कमान सौंपी है। तेज गेंदबाज शाकिब हुसैन और बल्लेबाज मंगल महौर की उपलब्धता शुरुआती दो मैचों के बाद उनकी फिटनेस रिपोर्ट आने के आधार पर तय की जाएगी। IPL 2026 में 776 रन बनाकर मचाया था



तहलका, भारत के लिए खेल चुके हैं 10 टी20

वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हैं और उन्होंने आईपीएल 2026 के सीजन में अपने बल्ले से नया इतिहास रचा था। वह टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर रहे थे, जहां उन्होंने महज 16 पारियों में 237 से अधिक के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट से 776 रन कूटे थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वह भारत की सीनियर टी20 टीम के लिए 10 मुकाबले खेल चुके हैं। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उन्होंने महज 19 गेंदों पर 45 रनों की तूफानी पारी खेली थी और साथी ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 133 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की थी। इसके अलावा, अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई उनकी 80 गेंदों में 175 रनों की ऐतिहासिक पारी ने भारत को खिताबी जीत दिलाई थी।

पंजाब ने विश्व हॉकी के मानचित्र पर छोड़ी अमिट छाप, भारत ने छठी बार जीती एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

मोहाली (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के पंजाब को वैश्विक हॉकी मानचित्र पर स्थापित करने के सपने को उस समय बड़ी सफलता मिली, जब हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब-2026 का समापन भारतीय टीम की शानदार खिताबी जीत के साथ हुआ। भारत ने रोमांचक फाइनल में जापान को 4-1 से हराकर छठी बार खिताब अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट के दौरान पंजाब के दो ऐतिहासिक हॉकी मैदानों- मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम और जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेजबानी और सुविधाओं का लोहा मनवाया।

भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और अपने सभी सात मुकाबले जीतकर चैंपियन बनी। भारत ने जालंधर में लीग चरण के पांचों मैच और मोहाली में सेमीफाइनल व फाइनल जीतकर लगातार तीसरी बार (2023, 2024 और 2026) यह खिताब हासिल किया।

फाइनल में भारत ने जापान को 4-1 से हराया

फाइनल में जापान ने तीसरे मिनट में काजुमासा मात्सुमोतो के गोल से बढ़त बनाकर भारत को दबाव में ला दिया। हाफ टाइम तक जापान 1-0 से आगे था। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले का रुख पलट दिया। शिलानंद लकड़ा ने 42वें मिनट में बराबरी की, जबकि दिलप्रीत सिंह ने 47वें मिनट में भारत को 2-1 से आगे कर दिया। जुगराज सिंह ने 52वें मिनट में तीसरा और विवेक सागर प्रसाद ने 53वें मिनट में चौथा गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। भारत



ने अंतिम 18 मिनट में चार गोल दागकर खिताब अपने नाम किया। कांस्य पदक के मुकाबले में मलेशिया ने दक्षिण कोरिया को 5-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

हरमनप्रीत बने टूर्नामेंट के हीरो

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी रहे। उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और 10 गोल के साथ वह टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर भी बने। टूर्नामेंट में किया गया उनका 10वां गोल सीनियर अंतरराष्ट्रीय करियर का 250वां गोल था। मलेशिया के खिलाफ लीग मुकाबले में हैट्रिक, दबाव के क्षणों में शानदार ड्रैग फ्लिक और फाइनल में बेहतरीन नेतृत्व के दम पर उन्होंने भारतीय टीम को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर घोषित किया गया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मौकों पर शानदार बचाव कर भारत की जीत का रास्ता आसान बनाया। मलेशिया और दक्षिण कोरिया के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर पर उनके बचाव विशेष रूप से सराहनीय रहे।

खरीदी के विशेष मुहूर्त धनतेरस पर दमका बाजार, जमकर हुआ कारोबार

दुकानों पर दिन भर उमड़ती रही भीड़, देर शाम तक होती रही खरीदी

नर्मदापुरम (निप्र)। त्योहार पर खरीदी के विशेष मुहूर्त धनतेरस की शाम से बाजार में खरीदी में अच्छी खासी तेजी रही। दीपोत्सव का त्योहार दीपावली की शुरूआत धनतेरस से हो गई है। त्योहारी वस्तुओं की खरीदी की ओर लोग अग्रसर हो रहे हैं। धन तेरस के अवसर पर दिन में ग्राहकी कम हुई शाम को मुख्य बाजार क्षेत्र में खरीददारी करने वालों की भीड़ उमड़ती रही। एसएनजी स्टेडियम में दीपावली से संबंधित वस्तुओं का अलग ही बाजार लगाने से सतरस्ता, इंदिरा चौक, जय स्तंभ सहित मुख्य बाजार क्षेत्र में छोटी-छोटी दुकाने लगी हुई थी जिससे बाजार की यातायात व्यवस्था बिगड़ती रही। इसी तरह चौक चौराहों पर यातायात व्यवस्था ठीक नहीं रही। धनतेरस पर करोड़ों का कारोबार होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अभी दीपावली को और ज्यादा खरीदी की उम्मीद है। कसेरा बाजार, सराफा बाजार में शाम के समय बहुत भीड़ रही। सभी दुकानों पर खरीददार अपनी पसंद की सामग्री खरीदने के लिए पहुंच रहे थे। दीपावली के इस त्योहार पर खरीदी के मुहूर्त में लोगों ने सोने चांदी सहित अन्य धातु की सामग्री की खरीदी की। परंपरानुसार इस दिन खरीदी करना शुभ माना जाता है। ज्वेलरी व्यापारी प्रदीप अग्रवाल व वर्तन व्यवसायी लालू कांस्कार ने बताया कि पहले दिन अच्छी ग्राहकी रही। अब दीपावली को भी उम्मीद है।

जमकर हो रही वाहनों की खरीदी

इस बार दो पहिया के साथ ही चार पहिया वाहन की खरीदी में तेजी रही। दो पहिया वाहन विक्रेताओं के यहां पर कुछ दिन पूर्व से ही बुकिंग की गई थी। जिन लोगों ने अपनी पसंद के वाहन देख गए थे उनके पसंद के



वाहनों पर पर्ची चिपकी हुई थी। वाहनों पर क्रम भी डला हुआ था। वाहन के शो रूम पर पर्ची लगी अनेक गाड़ी खड़ी हुई थी। दिन भर वाहन खरीदने वालों का तांता लगा हुआ था। किसानों ने ट्रैक्टर भी खरीदे हैं। एक अनुमान के तहत एक ही दिन में करीब दो करोड़ के वाहनों की बिक्री होने का अनुमान है।

वर्तन और पूजन सामग्री की हुई तेज बिक्री

हर बार की तरह सबसे ज्यादा भीड़ कसेरा बाजार में रही। यहां पर खरीदारी करने के लिए पूरे दिन और देर शाम तक लोगों की भीड़ लगी रही। कई लोग नए बर्तन और धातुओं की बनी प्रतिमाएं खरीदने पहुंचे। कुछ लोगों ने मिट्टी की प्रतिमाएं भी खरीदी। पूजन सामग्री के साथ ही बर्तन बाजार में एक दर्जन से अधिक बड़ी दुकानों पर दिन भर भीड़ लगी रही। इसके अलावा छोटी दुकानों पर भी खरीददारी हो रही थी। कसेरा बाजार में करीब सवा करोड़ का करोबार हुआ दूसरे दिन रविवार को भी बिक्री की आस है।

वस्त्रों की दुकानों पर हुई खूब खरीदी

बाजार में अन्य सामान के साथ वस्त्र और विशेष रूप से रेडीमेड वस्त्रों की अच्छी खासी बिक्री हुई है। जिसके चलते शहर की करीब चालीस से 50 दुकानों पर लगातार दिन भर बिक्री का माहौल रहा। बाजार में वस्त्रों की बिक्री का आंकडा 50 लाख तक पहुंच गया होगा।

लाखों के बिके पटाखे

आतिशबाजी के बाजार में भी बिक्री होना शुरू हो गया है। पटाखे पर महंगाई का असर है। इसके बाद भी करीब 50 लाख के पटाखे बिकने का अनुमान है। इसी तरह मिठाई, घरेलू उपयोगी सामग्री, फर्नीचर, किराना सहित अन्य अनेक सामग्री मिलाकर करीब 02 से 03 करोड का करोबार होने का अनुमान है। इन सबके अलावा अभी दीपावली की बिक्री होना और बांकी है। त्योहार पूर्व कर्मचारियों को वेतन मिलने से बाजार में कर्मचारी वर्ग खरीदी करने में व्यस्त हैं।

चार पीढ़ियों से सेठा अस्पताल में हो रही धन्वंतरी जी की पूजन

आयुर्वेद दिवस पर डॉ सेठा ने की सभी के स्वस्थ्य रहने की कामना



केशव अस्पताल में हुई धन्वंतरी जी की पूजन अर्चन

नर्मदापुरम (निप्र)। डॉक्टर सेठा परिवार के द्वारा चार पीढ़ियों से धन्वंतरी जयंती के अवसर पर आरोग्य के देवता भगवान धन्वंतरी भगवान गणेश की पूजन अर्चन होती आ रही है। यह बात शहर के वरिष्ठ सर्जन डॉ अतुल सेठा ने बताते हुए कहा कि प्राचीन काल में स्वास्थ्य के मामले में भगवान धन्वंतरी और चरक का नाम आता है। हमारे परिवार में डाक्टर की चौथी पीढ़ी है। स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी स्व. वैद्य धन्नालाल जी सेठा के समय 1939 से भगवान धन्वंतरी जयंती मनाई जा रही हैं। इसके बाद उनके पुत्र स्व. डॉ राधा मोहन जी सेठा ने योग, ऐलोपेथी आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक के माध्यम से स्वास्थ्य के क्षेत्र मैं सेवा भाव जारी रखा। उनके बाद मेरी तथा मेरे बच्चों की बारी आई है। धन्वंतरी जयंती को आरोग्य दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। हमारी संस्था के द्वारा स्वास्थ विधाओं के सेवा भावी चिकित्सको को सम्मानित किया गया। उन्होंने इस अवसर पर सभी के स्वस्थ्य रहने की कामना भगवान धन्वंतरी और गणेश जी महराज से की। संस्था के विपिन ताम्रकार ने बताया कि चिकित्सा के जनक भगवान धन्वंतरी जी जिस सेवा भाव से अमृत कलश पृथ्वी पर लाए थे उसी सेवा भाव से डॉ अतुल सेठा चिकित्सा सेवा कर रहे हैं आज भगवान धन्वंतरी जी की जयंती केशव हॉस्पिटल सेठा मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल में विगत वर्षों की भांति परम्परा अनुसार हर्षोल्लास के साथ पं रचित खड्डर के आचार्यतत्व में श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार, डॉ योगेश मोहन सेठा, डॉ अतुल सेठा, डॉ जेपी मालवी डॉ योगेश वर्मा, डॉ रुचि सक्सेना, डॉ दिवाकर मिश्रा, दोनों हॉस्पिटल के स्टाफ और शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थित रही।

पं भवानी शंकर शर्मा ने दिया जागरुक नागरिक का परिचय प्रशासन को पत्र लिखकर बताई समस्याएं

बाजार में वाहनों की नो-एंट्री से पुराने शहर के नागरिकों की राह हुई मुश्किल पूर्व जिपं अध्यक्ष भवानीशंकर शर्मा ने एसडीएम-सिटी मजिस्ट्रेट को लिखा पत्र



नर्मदापुरम(निप्र)। शहर के जागरूक वरिष्ठ नागरिक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पं भवानी शंकर शर्मा ने जागरूकता का परिचय देते हुए प्रशासन को जो पत्र लिखा है। उससे प्रशासन की आंखे खोलने का प्रयास किया है। प्रशासन द्वारा पिछले दिनों दिवाली पर बाजार क्षेत्र में चारपहिया वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर उन्होनें आपत्ति जताई है। पत्र के माध्यम से उन्होने पूछा है कि पुराने शहर के रहवासियों को घर तक पहुंचने में हो रही परेशानी का हवाला देते हुए पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व नर्मदा शिक्षा समिति के अध्यक्ष भवानीशंकर शर्मा ने एसडीएम और सिटी मजिस्ट्रेट से सवाल किए हैं। उन्होंने कहा कि चार से नौ नवंबर तक बाजार क्षेत्र में चारपहिया वाहनों की नो-एंट्री से पुराने शहर के नागरिकों को जो परेशानी हो रही है क्या वह प्रशासन समझ पा रहा है। जिला न्यायालय, कलेक्ट्रेट, कमिश्नर कार्यालय सहित अन्य सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने के लिए भी लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बाजार में भीड़ के अनुसार यातायात नियंत्रित किया जाए, लेकिन पुराने शहर की ओर जाने वाले रास्तों पर अनावश्यक प्रतिबंध न लगाया जाए। शर्मा ने जनप्रतिनिधियों, यातायात समिति और गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक कर व्यवस्था तय करने तथा अन्य सडक़ों पर आवागमन सुचारु रखने की मांग की है।

अवैध रेत उत्खनन पर जिला प्रशासन की कार्रवाई, 6 मोटरबोट और एक पनडुब्बी जब्त

राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशानुसार जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार 06 नवंबर को सिवनी मालवा तहसील में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध कार्रवाई की गई।संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पथाड़ा, बाबरी, डिमावर एवं भिलाड़िया में निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान रेत का अवैध उत्खनन करते हुए 6 मोटरबोट एवं एक पनडुब्बी जब्त की गई। जब्त किए गए सभी उपकरणों को पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी मालवा विजय राय, तहसीलदार नितिन झोड़, नायब तहसीलदार हीरू कुमरे, खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम, सहायक खनि अधिकारी सूचि माथुर, खनि निरीक्षक बसंत पाटिल, खनिज सिपाही हेमंत राज सहित होमगार्ड एवं पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे।जिला प्रशासन द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

इटारसी नवीन बस स्टैंड से बसों का संचालन शुरु, अवैध ऑटो पर आरटीओ की कार्रवाई, 10 से अधिक ऑटो जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। आरटीओ प्रमोद कापसे ने नवीन बस स्टैंड का निरीक्षण कर स्थानीय बस संचालकों से चर्चा की। चर्चा के बाद विगत दिनों से बंद पड़ी सभी स्थानीय बसों का संचालन नवीन बस स्टैंड से पुन: प्रारंभ करा दिया गया है। आरटीओ ने बताया कि शीघ्र ही नवीन बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन और बाजार क्षेत्र के लिए ऑटो के निर्धारित किराए की जानकारी जारी की जाएगी। इटारसी से जमानी सहित अन्य मार्गों पर नगर पालिका सीमा के बाहर सवारी ले जाने वाले अवैध ऑटो की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिससे बस संचालकों को नुकसान हो रहा था।

दीपावली के रंगों से सजा प्रेरणा कॉन्वेंट इंटरनेशन सीनियर सेकेंडरी स्कूल विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा





नर्मदापुरम (निप्र)। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में प्रेरणा कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विभिन्न रचनात्मक एवं आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में दीपावली का उत्साह और उल्लास देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए दीया मेकिंग, थाली डेकोरेशन , तोरण (बंदनवार) एवं रंगोली बनाने जैसी मनमोहक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा अपनी कला, कल्पनाशीलता और रचनात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे रंगों, मोतियों, सजावटी सामग्री एवं विभिन्न कलात्मक वस्तुओं का उपयोग कर आकर्षक दीपक, सुसज्जित पूजा की थालियाँ और सुंदर तोरण तैयार किए। उनकी कलाकृतियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और त्योहारों के प्रति प्रेम की झलक दिखाई दी। विद्यालय के संचालिका श्रीमती समर्पिता ललित सोनी ने बच्चों के उत्साह को देखते हुए कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मक कौशल, आत्मविश्वास एवं भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था।विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के उत्साह एवं प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस प्रकार विद्यालय में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास, उमंग और रचनात्मकता के साथ मनाया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे।

दीपावली से पहले महंगाई की मार, खाद्य सामग्री के बढ़ते दामों ने बिगाड़ा आम जनता का बजट : शिवाकांत गुड्डन पांडेय

इटारसी । नर्मदापुरम (निप्र)। दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले ही आम जनता को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। त्योहार की तैयारियों के बीच रोजमर्रा की खाद्य सामग्री से लेकर दीपावली पर उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं के दामों में बढ़ोतरी से आम आदमी का बजट बिगड़ता नजर आ रहा है। गेहूं, तुअर दाल, चना दाल, शक्कर, खाद्य तेल, घी, मिठाइयां और ड्राई फ्रूट्स सहित अनेक खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने कहा कि दीपावली खुशियों, उमंग और आपसी भाईचारे का त्योहार है। इस पर्व पर प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार घर में मिठाइयां बनाता है, पूजा-पाठ की सामग्री खरीदता है तथा अपने परिवार और बच्चों के लिए जरूरी सामान लेकर आता है। लेकिन इस बार त्योहार से पहले ही खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने आम परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। महंगाई के कारण गरीब, मजदूर, किसान और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए दीपावली का त्योहार मनाना भी आर्थिक चुनौती बनता जा रहा है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने और आम जनता को राहत देने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। एक ओर परिवारों की आमदनी सीमित है, वहीं दूसरी ओर रसोई का खर्च लगातार बढ़ रहा है। गेहूं, दाल, शक्कर और तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से हर वर्ग प्रभावित हो रहा है। त्योहारों के समय मिठाई, घी और ड्राई फ्रूट्स जैसी वस्तुओं की खरीदारी भी महंगी हो गई है।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बताया कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने कहा कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के अवसर पर सरकार को आम जनता को राहत देने के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए। बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी रखी जाए तथा जमाखोरी और मुनाफाखोरी करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आम नागरिकों को उचित कीमतों पर आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।आगे जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने कहा कि महंगाई का सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है, जिनकी आय सीमित है और जो रोज कमाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह केवल घोषणाओं तक सीमित न रहे, बल्कि आम जनता को वास्तविक राहत पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए।उन्होंने मांग की कि दीपावली के अवसर पर खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों पर तत्काल नियंत्रण किया जाए, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार भी बिना आर्थिक परेशानी के अपने परिवार के साथ त्योहार की खुशियां मना सकें।

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पिपरिया जिला नर्मदापुरम

प्ररूप-ख

(मध्यप्रदेश भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट (भूमि की उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) नियम, 2013 के नियम 5 का उपनियम (2) देखिए)

रा.प्र.क्र./0019/अ-82/2025-26 नर्मदापुरम, दिनांक

अतएव, राज्य सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि भूमिगत पाईप लाईन के माध्यम से स्वचालित स्प्रिंकलर/ड्रिप प्रणाली से सिंचाई बावत् पानी परिवहन हेतु ग्राम कारपा-03 प.ह.नं. 07 तहसील बनखेडी जिला नर्मदापुरम में कार्यपालन यंत्री रानी अवंतीबाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर द्वारा भूमिगत पाईपलाईन, केबल एवं डक्ट बिछाई जाए।

और अतएव राज्य सरकार को उक्त भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट बिछाये जाने का प्रस्ताव है, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतएव, मध्यप्रदेश भूमिगत पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट (भूमि के उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2012 (क्रमांक 5 सन् 2013) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई व्यक्ति जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित होती है इक्कीस दिवस के भीतर, भूमि के नीचे पाइप लाइन, केबल एवं डक्ट बिछाये जाने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया जिला नर्मदापुरम मध्यप्रदेश को लिखित में आक्षेप भेज सकेगा।

-: अनुसूची :-

जिला	तहसील	ग्राम/पटवारी हल्का क्रमांक	खसरा क्रमांक	उपयोग के अधिकार के लिये जाने वाली भूमि (हेक्टेयर में)
01	02	03	04	05
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	625/2	0.002
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	626/1	0.004
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	626/2/1	0.010
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	626/2/2	0.016
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	629	0.024
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	628/2	0.008
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	634/2	0.032
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	634/7	0.006
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	641/1	0.016
नर्मदापुरम	बनखेड़ी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	641/2	0.008
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	644/3	0.004
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	640/1	0.006
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	645/1	0.020
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	645/3	0.014
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	647/1/1	0.018
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	647/2/1	0.006
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	647/1/2	0.006
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	647/2/2	0.002
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	648/1	0.013
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	657/1/1	0.012
नर्मदापुरम	बनखेड़ी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	657/1/2	0.004
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	658/1	0.017
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	658/2	0.005
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	659	0.002
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	689/4	0.006
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.न. 07	692/1	0.012
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	692/2	0.016
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	693	0.018
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	695	0.008
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	694/1	0.006
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	696/1	0.014
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	696/3	0.028
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	698/1	0.011
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	698/2	0.011
नर्मदापुरम	बनखेडी	ग्राम करपा-03 प.ह.नं. 07	698/3	0.008
कुल योग			35	0.393

जी/21162/26

(आकिप खान)
सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पिपरिया, जिला-नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com